राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण शुक्रवार, 31 दिसंबर-2021 वर्ष-4,अंक-338 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में कपड़ा बाजार काले झंडों के साथ प्रदर्शन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,टेक्सटाइल फेडरेशन ऑफ सूरत ट्रेडर्स (फोस्टा) द्वारा 1 जनवरी, 2022 से कपड़ा उद्योग की मूल्य श्रृंखला पर 12 प्रतिशत जीएसटी दर के विरोध में शहर के सभी 170 कपड़ा बाजारों में 70,000 से अधिक दुकानों को आज बंद घोषित कर दिया गया है। व्यापारियों ने गुस्से में दुकानें बंद कर दी हैं। व्यापारियों और निर्माताओं के बीच एकता का माहौल स्पष्ट था क्योंकि सभी बंद करघे कारखाने, जिनकी संख्या लाखों रंगाई प्रसंस्करण मिलों में थी, बंद हो गए थे। जीएसटी परिषद के फैसले के खिलाफ तितर-बितर व्यापारियों ने इकट्ठा होकर काला झंडा लहराकर और काली पट्टी बांधकर विरोध किया, जबकि कुछ इलाकों में थाली बजाकर विरोध प्रदर्शन किया। सभी व्यापारियों ने अपनी एकता की ताकत दिखाई है। कई बार सोशल मीडिया ग्रुप्स पर भी जीएसटी को लेकर व्यापारियों में लगातार तनाव बना रहा। कुछ व्यापारी जहां सत्तारूढ़ दल के समर्थन में दिखाई दिए, वहीं कुछ व्यापारियों ने विरोध जारी रखा। हालांकि आज हर

चंपालाल बोथरा

कोई कपड़ा बाजार के बंद होने की घोषणा में शामिल हो गया है। जीएसटी 5% से बढ़ाकर 12% किया जाएगा। जीएसटी परिषद में सूरत के व्यापारियों द्वारा लगातार प्रतिनिधित्व किया गया था। लगातार विरोध के बावजूद जीएसटी परिषद ने कोई सकारात्मक रवैया नहीं दिखाया और आखिरकार फेडरेशन ऑफ सूरत टेक्सटाइल ट्रेडर्स एसोसिएशन ने आज पूरे कपड़ा बाजार को बंद करने का फैसला किया है। जीएसटी को लेकर बाजार के कारोबारियों में काफी नाराजगी है।

फोस्टा के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल ने कहा,

'हमने एक दिन के लिए टोकन स्ट्राइक रखी है ताकि जीएसटी दर में वृद्धि न हो। हम जीएसटी काउंसिल तक अपनी बात पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। इस बंद की हमारी घोषणा में किसी का कोई राजनीतिक हित नहीं है। केवल व्यापार संघ सक्रिय हैं और हमें उच्च उम्मीदें हैं कि वे हमारे स्थानीय विधायक और कपड़ा मंत्री की प्रस्तुति के कारण जीएसटी परिषद द्वारा लिए गए निर्णय पर पुनर्विचार करेंगे। कोरोना संक्रमण को देखते हुए सभी ट्रेड एसोसिएशन कहीं भी बड़ी संख्या में एकत्रित नहीं होने जा रहे हैं।

व्यापारियों में बढ़ता आक्रोश
आश्चर्यजनक है क्योंकि सूरत के सांसद और कपड़ा मंत्री, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और नवसारी के सांसद सीआर पाटिल खुद मानते हैं कि जीएसटी को बढ़ाकर 12% करने से कपड़ा उद्योग में भारी समस्या हो सकती है, भले ही सरकार अनुसंधान में विश्वास नहीं करती है। उपस्थिति जीएसटी परिषद ने यहां ऐसी गिरफ्तारी नहीं की है कि हम आपके सबमिशन पर पुनर्विचार करेंगे। एक तरफ व्यापारियों का प्रतिनिधित्व होता रहा और जीएसटी परिषद के अधिकारी चुप्पी साधे बैठे रहे, जिससे व्यापारियों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

संगठनात्मक विरोध-फोगवा

फोगवा के अध्यक्ष अशोक जीरावाला ने कहा कि इस बार व्यापारी सही मायने में एकजुट हैं. जीएसटी का मुद्दा किसी खास बाजार या प्रोसेसिंग हाउस का नहीं है। यह पूरे देश का सवाल है। महंगाई बर्दाश्त करने लायक स्थिति नहीं है। अब तक व्यापारियों द्वारा बहुत ही शांतिपूर्ण प्रतिनिधित्व और विरोध प्रदर्शन हुए हैं। आज हमारे कुछ संगठनों ने काले झंडे लहराकर और थाली बजाकर विरोध किया है। जीएसटी परिषद के सदस्य और हम आपसे अनुरोध करते हैं कि हमारी मांग पर विचार करें, अन्यथा उद्योग के लिए एक बहुत बड़ी समस्या खड़ी हो जाएगी। राजनीतिक आरोपों से बचने के लिए आज संगठित विरोध प्रदर्शन हुए हैं।

गुजरात के 8 शहरों में रात्रि कर्फ्यू समेत अन्य प्रतिबंध 7 जनवरी तक यथावत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात में कोरोना के लगातार बढ़ते मामलों को देखते हुए 8 शहरों में रात्रि कर्फ्यू समेत अन्य प्रतिबंधों को 7 जनवरी 2022 तक बढ़ा दिया गया है। स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल ने पत्रकार परिषद में बताया कि गांधीनगर, अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत, भावनगर, राजकोट, जूनागढ़ और जामनगर समेत 8 महानगरों में रात्रि कर्फ्यू समेत अन्य प्रतिबंध 7 जनवरी 2022 तक बढ़ाए गए हैं। राज्य के इन 8 शहरों में आगामी 7 जनवरी तक रात 11 बजे से सुबह 5 बजे तक कर्फ्यू बरकरार रहेगा। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राज्य में कोरोना की दूसरी लहर जैसी स्थिति का पुनरावर्तन न हो इसके लिए सरकार पूरी तैयार है। राज्य में फिलहाल 1.10 लाख बेड उपलब्ध हैं। 15000 आईसीयू बेड में से 7800 बेड पर वेन्टीलेटर की सुविधा उपलब्ध है। साथ ही 500 से 1500 बेड का अस्पताल बनाने की तैयारी है। उन्होंने बताया कि राज्य में अब तक दर्ज कुल 97 मामलों में से 41 लोगों को डिस्चार्ज कर दिया गया है। गुजरात में 0.79 प्रतिशत पॉजिटिविटी रेट है, जो अन्य राज्यों के मुकाबले काफी कम है। ऋषिकेश पटेल ने कहा कि राज्य में अब भी 90 लाख लोग ऐसे हैं जिनका टीकाकरण नहीं हुआ। ऐसे लोगों के लिए खास अभियान चलाया जाएगा। गुजरात सरकार की किसी कचहरी में दाखिल होने के लिए दोनों टीका लगवाना अनिवार्य है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि गुजरात वाइब्रेंट समिट अपने समय पर होगी। समिट में शामिल होनेवाले देश-विदेश के महेमानों के लिए टीकाकरण और आरटी-पीसीआर टेस्ट अनिवार्य है। सभी नियमों का पालन करते हुए वाइब्रेंट समिट आयोजित की जाएगी।

आज होंगे जेल से रिहा

10 दिनों बाद आप नेता-कार्यकर्ताओं को मिली जमानत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

अहमदाबाद, हेड क्लर्क परीक्षा के पेपर लीक होने के मुद्दे को कर 10 दिन पहले आम

आदमी पार्टी (आप) के प्रदेश प्रमुख समेत कार्यकर्ताओं ने गुजरात प्रदेश भाजपा मुख्यालय कमलम में उत्पात मचाया था। पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर महिलाओं समेत आप के 93 कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया था। 28 महिलाओं और 65 पुरुष कार्यकर्ताओं को कोर्ट में पेश किया था। महिला कार्यकर्ताओं को शर्तिया जमानत पर रिहा कर दिया गया था। जबकि आप के प्रदेश प्रमुख गोपाल इटालिया के अलावा ईसुदान गढवी, प्रवीण राम, हसमुख पटेल, निखिल सवाणी और शिवकुमार समेत 65 कार्यकर्ताओं में से 10 को पहले ही जमानत मिल चुकी है। गोपाल इटालिया समेत 55 कार्यकर्ताओं को आज कोर्ट से शर्तिया जमानत मिल गई है। 10 दिनों के बाद 55 कार्यकर्ताओं को जमानत मिली है, लेकिन आज कोई रिहा नहीं होगा। दरअसल कोर्ट का आदेश जेल प्रशासन तक नहीं पहुंचा, जिसकी वजह से शुक्रवार को आप नेता और कार्यकर्ता जेल से रिहा किए जाएंगे। बता दें कि पिछले 10 दिनों से जेल में आप नेता और कार्यकर्ताओं से केवल उनके परिवार के लोगों ने मुलाकात की। जबकि आम आदमी पार्टी के किसी बड़े नेता ने पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात करना मुनासिब नहीं समझा। हांलाकि आप नेता महेश सवाणी और पार्टी के प्रदेश प्रभारी गुलाबसिंह यादव स्वयं अनशन कर रहे थे। दोनों नेताओं ने बुधवार को ही अपना अनशन खत्म किया है। गुजरात गौण सेवा पसंदगी मंडल के अध्यक्ष असित वोरा को उनके पद से हटाने की मांग को लेकर महेश सवाणी और गुलाबसिंह यादव ने अनशन शुरूकिया था। लेकिन सरकार ने आप नेताओं की मांग को कोई तवज्जो नहीं दी, आखिरकार बीते दिन दोनों अपना अनशन खत्म कर दिया।

चाचा ने अश्लील वीडियो दिखाकर भतीजी से की शारीरिक छेड़छाड़, पुलिस ने मामला दर्ज किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

राजकोट,चाचा-भतीजी के पवित्र संबंधों को शर्मशार करनेवाली घटना सामने आई है। मोरबी के शकत सनाला गांव में चाचा ने अश्लील वीडियो दिखाकर भतीजी के साथ न सिर्फ शारीरिक छेड़छाड़ की बल्कि उसके जबर्दस्ती करने का भी प्रयास किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरूकी है। जानकारी के मुताबिक चार महीने से किशोरी शकत सनाला गांव स्थित अपने चाचा के घर रहती थी। जहां चाचा ने अपनी नाबालिग भतीजी को अश्लील वीडियो दिखाया और उसके साथ शारीरिक छेड़छाड़ की। इतना ही नहीं चाचा ने उसके साथ दुष्कर्म का भी प्रयास किया। भतीजी ने जब विरोध किया तो उसे कमरे में बंद कर बिजली करंट लगाया। भतीजी ने अपने चाचा की हरकतों की चाची से शिकायत कर दी। इस पर चाचा ने डंडों से पिटाई कर दी। कुछ दिन पहले किशोरी के बहन-बहनोई उसके चाचा के घर पहुंच गए। जहां किशोरी के बारे में पूछने पर चाचा ने बताया कि वह पानी भरने बाहर गई है। बहन को अपने चाचा पर संदेह हुआ और मकान के एक कमरे की जांच की तो डरी सहमी से किशोरी मिल गई। कमरे से बाहर लाकर बहन ने किशोरी से जब पूछा तो उसने आपबीती सुना दी। इस खुलासे के बाद किशोरी की बहन की शिकायत के आधार पर मोरबी पुलिस ने आरोपी चाचा के खिलाफ केस दर्ज जांच शुरू की है। किशोरी के पिता नहीं है और उसकी अन्य चार बहन और एक भाई है। पीड़ित किशोरी का फिलहाल राजकोट के अस्पताल में उपचार चल रहा है।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-9879141180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

सुविचार

समय और बुद्धि बड़े से बड़े शोक को भी कम कर देते हैं। - कहावत

संपादकीय

पेट्रोल पर रियायत

झारखंड सरकार अगर दोपहिया चालकों को 25 रुपये प्रति लीटर पेट्रोल की रियायत देने जा रही है, तो यह फैसला न केवल ऐतिहासिक, बल्कि दूसरे राज्यों के लिए अनुकरणीय भी है। इस वर्ष पेट्रोल, डीजल के भाव में जिस तरह बढ़ोतरी हो रही थी, उसकी जरूरत सरकारों को भले हो, लेकिन इसकी निंदा भी खूब हो रही है। केंद्र सरकार और ज्यादातर राज्यों ने नंवबर की शुरुआत के बाद से ही वैट या उत्पाद शुल्क में कमी करके ग्राहकों को राहत देने की कोशिश की है। मई से लगातार हो रही वृद्धि के बाद एक समय तो ऐसा भी आया था, जब प्रति लीटर पेट्रोल पर महज उत्पाद शुल्क ही 40 रुपये के करीब और डीजल पर 30 रुपये के करीब पहुंचने लगा था। एक समय ऐसा लगने लगा था कि पेट्रोल की कीमत अब सौ रुपये से नीचे नहीं आएगी, लेकिन नवंबर में लोगों को राहत देने की कोशिश शुरू हुई। अब यदि लोगों को ज्यादा से ज्यादा राहत देने की होड़ शुरू हो जाए, तो आश्चर्य नहीं। अक्सर चर्चा होती रहती है कि गरीबों व जरूरतमंदों को ज्यादा राहत मिलनी चाहिए, पर इस दिशा में झारखंड सरकार की ताजा कोशिश एक मिसाल है। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा किए गए एलान के बाद राज्य में मोटरसाइकिल और स्कूटर चालकों में खुशी की लहर है, और दूसरे राज्यों में भी लोगों की उम्मीदें बढ़ गई हैं। पेट्रोल की कीमत अगर एकमुश्त 25 रुपये प्रति लीटर कम होती है, तो झारखंड में पेट्रोल की कीमत करीब 74 रुपये प्रति लीटर हो जाएगी। लगभग साढ़े तीन साल पहले देश में पेट्रोल की कीमत यही थी। झारखंड में अभी पेट्रोल की कीमत दूसरे राज्यों से तुलनात्मक रूप से ज्यादा ही है। अत- स्वाभाविक ही राज्य सरकार पर कुछ दबाव भी होगा। वैसे झारखंड में दोपहिया चालकों को 26 जनवरी से यह लाभ मिलना शुरू होगा। हेमंत सोरेन की सरकार के दो वर्ष पूरे होने पर यह राज्य के नागरिकों को एक तोहफा ही है, लेकिन इसे जन-जन तक पहुंचाने का काम आसान नहीं होगा। क्या यह रियायत देने के लिए हर पेट्रोल पंप पर दोपहिया वाहनों के लिए अलग से व्यवस्था करनी पड़ेगी? बड़े पेट्रोल पंप पर इसे लागू करना आसान होगा, लेकिन दूरदराज के इलाकों में छोटे पेट्रोल पंपों पर इसे लागू करने में मुश्किल आ सकती है। इसके अलावा क्या यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि इस रियायत का दुरुपयोग नहीं होगा? अगर इसी कीमत पर चौपहिया वाहनों में भी पिछले दरवाजे से पेट्रोल भरने लगे, तो लगाम कैसे लगेगी? पेट्रोल पंपों की ईमानदारी वैसे भी संदेहास्पद ही रही है, तो रियायत की नई व्यवस्था से पारदर्शिता और प्रभावित होगी। गरीबों या जरूरतमंदों तक मदद पहुंचाने की कोई भी कोशिश स्वागतयोग्य है, लेकिन उनके लिए दी जा रही रियायत के रिसाव को कैसे रोका जाएगा? दिलचस्प यह है कि अब बाकी राज्य भी झारखंड की नई रियायत व्यवस्था के क्रियान्वयन को देखना चाहेंगे। इस अपेक्षाकृत नए राज्य के पास एक मौका है कि इस रियायत का यथोचित व्यावहारिक ढांचा विकसित हो, ताकि ईंधन के भाव बढ़ने पर कम आय वाले लोगों पर असर न पड़े। हम यह देख पा रहे हैं कि पेट्रोल के भाव बढ़ने से देश भर में सड़कों पर साइकिलों की संख्या बढ़ रही है। अत: इस देश में ईंधन संबंधी किसी भी रियायत या सब्सिडी को सही हाथों तक पहुंचाने की व्यवस्था चाक-चौबंद होनी चाहिए।

आज के कार्टून

प्यास

श्रीराम शर्मा आचार्य

श्रीकृष्ण स्वयं भी महाभारत रोक न सके। इस बात पर महामुनि उत्तंक को बड़ा क्रोध आ रहा था। दैवयोग से भगवान श्रीकृष्ण उसी दिन द्वारका जाते हुए मुनि उत्तंक के आश्रम में आ पहुंचे। मुनि ने उन्हें देखते ही कटु शब्द कहना प्रारंभ किया-आप इतने महाज्ञानी और सामर्थ्यवान होकर भी युद्ध नहीं रोक सके। आपको उसके लिए शाप दे दूं तो क्या यह उचित न होगा? भगवान कृष्ण हंसे और बोले-महामुनि! किसी को ज्ञान दिया जाए, समझाया-बुझाया और रास्ता दिखाया जाए तो भी वह विपरीत आचरण करे, तो इसमें ज्ञान देने वाले का क्या दोष? यदि मैं स्वयं ही सब कुछ कर लेता, तो संसार के इतने सारे लोगों की क्या आवश्यकता थी? मुनि का क्रोध शांत न हुआ। तब भगवान कृष्ण ने अपना विराट रूप दिखाकर कहा-महामुनि! मैंने आज तक किसी का अहित नहीं किया। निष्पाप व्यक्ति चट्टान की तरह सुदृढ़ होता है। आप शाप देकर देख लें, मेरा कुछ नहीं बिगड़ेगा। हां, आपको किसी वरदान की आवश्यकता हो तो हमसे अवश्य मांग लें। उत्तंक ने कहा-तो फिर आप ऐसा करें कि इस मरु स्थल में भी जल-वृष्टि हो और यहां भी सर्वत्र हरा-भरा हो जाए। कृष्ण ने कहा 'तथास्तु' और वहां से आगे बढ़ गए। महामुनि उत्तंक एक दिन प्रात:कालीन भ्रमण में कुछ दूर तक निकल गए। दिन चढ़ते ही धूल भरी आंधी आ गई और मुनि मरु स्थल में भटक गए। जब मरु णों का कोप शांत हुआ, तब उत्तंक ने अपने आपको निर्जन मरु स्थल में पड़ा पाया। धूप तप रही थी, प्यास के मारे उत्तंक के प्राण निकलने लगे। तभी महामुनि उत्तंक ने देखा-चमड़े के पात्र में जल लिये एक चांडाल सामने खड़ा है और पानी पीने के लिए कह रहा है। उत्तंक उत्तेजित हो उठे और बिगड़ कर बोले-शूद्र! मेरे सामने से हट जा, नहीं तो अभी शाप देकर भस्म कर दूंगा। उन्हें साथ-साथ कृष्ण पर भी क्रोध आ गया। जैसे ही शाप देने के लिए उन्होंने मुख खोला कि सामने भगवान श्रीकृष्ण दिखाई दिए। कृष्ण ने पूछा-नाराज न हों महामुनि! आप तो कहा करते हैं कि आत्मा ही आत्मा है, आत्मा ही इंद्र और आत्मा ही साक्षात परमात्मा है। फिर आप ही बताइये कि इस चांडाल की आत्मा में क्या इंद्र नहीं थे? यह इंद्र ही थे, जो आपको अमृत पिलाने आए थे, पर आपने उसे ठुकरा दिया।

आत्मनिर्भर भारत की शिक्षा नीति

- डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

आधुनिक युग में तकनीक व भौतिक सुविधाओं का खूब विकास हुआ। लेकिन विकास की दौड़ में सामाजिक व मानवीय संवेदनाओं का महत्व कम हुआ है। उपभोगवादी सभ्यता ने अनेक प्रकार की अन्य समस्याओं को भी जन्म दिया है। प्रकृति व पर्यावरण संबंधी संकट भी बढ़ रहा है। ऐसे में संतुलित विकास पर ध्यान देना अपरिहार्य हो गया है। यह कार्य पाश्चात्य सभ्यता के माध्यम से नहीं हो सकता। उन्हें तो अपनी समस्याओं का समाधान दिखाई नहीं दे रहा है क्योंकि उनका चिंतन इसके अनुरूप नहीं है। जबकि भारत के प्राचीन ऋषियों मनीषियों का चिंतन शाश्वत है। यह आज भी प्रासंगिक है। नरेंद्र मोदी सरकार ने भारतीय परिवेश के अनुरूप नई शिक्षा नीति बनाई थी, उस पर अमल चल रहा है। इसमें सांस्कृतिक चेतना के साथ आधुनिक विकास को महत्व दिया गया। नरेंद्र मोदी ने कहा था कि भारत की यह नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति राष्ट्र निर्माण के महायज्ञ में बड़ा योगदान देगी। बहुविषयक शिक्षा और अनुसंधान विश्वविद्यालय देश के युवाओं के लिए नए अवसर का सृजन करेगी। यह अंतर अनुशासनात्मक अनुसंधान को बढ़ावा देने के साथ भारत को अनुसंधान एवं विकास का वैश्विक हब बनाने में सहायक होगी। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली के लिए एक नई कल्पना का सूत्रपात किया है। यह एक आत्मनिर्भर भारत के निर्माण से जुड़ी दृष्टि को रेखांकित करने वाली है। मात्र एक वर्ष में देश के बारह सौ से ज्यादा उच्च शिक्षण संस्थानों ने स्किल इंडिया से जुड़े कोर्सों की शुरुआत की है। अनेक भाषाओं में इंजीनियरिंग की पढ़ाई संभव होगी। इंजीनियरिंग के कोर्स का इन भाषाओं में अनुवाद शुरू हो चुका है। मातृभाषा में पढ़ाई से गरीबों का बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ेगा। प्रारंभिक शिक्षा में भी मातृभाषा को प्रमोट करने का काम शुरू हो गया है। शिक्षा में भाषा सभ्यता संस्कृति सामाजिक मूल्यों को समुचित स्थान मिल रहा है। ऐसी शिक्षा नीति ही राष्ट्रीय स्वाभिमान का जागरण करती है। अंग्रेजों द्वारा भारत में शुरू की गई शिक्षा राष्ट्रीय स्वाभिमान को हीनता में बदलने वाली थी। शिक्षा केवल बाबू बनाने के लिए होगी,तो उससे व्यक्ति समाज और राष्ट्र का अपेक्षित लाभ नहीं हो सकता। मानवीय दृष्टिकोण का भाव भी होना चाहिए। भारत में तो जीवन का अंतिम लक्ष्य मोक्ष बताया गया। उसी के अनुरूप सभी कार्यों का संदेश दिया गया। आधुनिक युग में होने वाले सकारात्मक बदलाव को स्वीकार करना अनुचित नहीं। लेकिन यह सब अपनी महान विरासत के प्रतिकूल नहीं होना चाहिए। वर्तमान सरकार ने सही दिशा में कदम उठाया। नई शिक्षा नीति बनाई। स्कूली पाठ्यक्रम को व्यावहारिक बनाया गया। बुनियादी योग्यता को महत्व मिलेगा। क्लास छह से व्यावसायिक शिक्षा प्रारंभ हो जाएगी। पांचवीं कक्षा तक मातृभाषा क्षेत्रीय भाषा में पढ़ाई होगी। उच्च शिक्षा में अवसर बढ़ेंगे। इसके पाठ्यक्रम में विषयों की विविधता होगी। ट्रांसफर ऑफ क्रेडिट की सुविधा के लिए अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट की स्थापना हो रही है। संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन की स्थापना की जाएगी। नई शिक्षा नीति स्कूली और उच्च शिक्षा दोनों में बहुभाषावाद को बढ़ावा देती है। पाली, फारसी और प्राकृत के लिए राष्ट्रीय संस्थान, भारतीय अनुवाद और व्याख्या संस्थान की स्थापना की जाएगी। अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट और विद्या प्रवेश सहित नए शैक्षणिक कार्यक्रमों की शुरुआत हुई है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अथवा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कार्यक्रम युवाओं को भविष्योन्मुखी बनाएगा। इससे संचालित अर्थव्यवस्था के रास्ते खोलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कानपुर यात्रा के दौरान आईआईटी,कानपुर के चौवनवें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। पूर्ण आजादी का मूल स्वरूप आत्मनिर्भरता है। इसमें युवाओं का महत्व सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। यह टेक्नोलॉजी की सदी है। इसके माध्यम से आपदा प्रबन्धन की चुनौतियों का सामना किया जा रहा है। देश में आर्टिफिशियल इण्टेलिजेंस,ऊर्जा और क्लाइमेट सॉल्यूशन, हाइटेक इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में असीम सम्भावनाएं हैं। विगत सात वर्षों में स्टार्टअप इण्डिया,स्टैण्डअप इण्डिया,अटल इनोवेशन मिशन,प्रधानमंत्री रिसर्च फेलोशिप जैसे अन्य कार्यक्रमों ने देश के युवाओं के लिए नये रास्ते बनाये हैं। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति द्वारा नयी पीढ़ी को बेहतर भविष्य देने की शुरुआत हो रही है। ईज ऑफ डुइंग बिजनेस में सुधार हुआ है। आजादी के पछत्रहवें साल में देश में पचहत्तर से अधिक यूनिकॉर्न्स और पचास हजार से अधिक स्टार्टअप्स हैं। मात्र छह महीनों में लगभग दस हजार स्टार्टअप्स विकसित हुए हैं। इनमें से अनेक स्टार्टअप्स आईआईटी के युवाओं ने शुरू किये हैं। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप हब बनकर उभरा है। भारत दुनिया के कई विकसित देशों को पीछे छोड़कर तीसरा सबसे बड़ा यूनिकॉर्न देश बन गया है। इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी वस्तुत: इंस्टीट्यूट ऑफ इण्डीजेनस टेक्नोलॉजी के रूप में है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश सरकार ने उत्तर प्रदेश स्टार्टअप नीति को प्रभावी रूप में लागू की है। इस स्टार्टअप नीति में सूचना प्रौद्योगिकी के साथ गैर। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्रों को भी सम्मिलित किया गया है। आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए देश में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू की है। प्रदेश में आईआईटी कानपुर, आईआईटी बीएचयू, आईआईएम लखनऊ जैसी प्रतिष्ठित संस्थाएं हैं। प्रदेश में स्थापित हो रहे उत्तर प्रदेश डिफेंस इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर में तकनीकी पार्टनर के रूप में आईआईटी कानपुर अपना सहयोग प्रदान कर रहा है। राज्य सरकार द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में देश का पहला सेण्टर ऑफ एक्सिलेंस आईआईटी कानपुर के नोएडा परिसर में स्थापित किया जाएगा। यह केन्द्र स्टार्टअप्स को बढ़ावा देगा। यह ढाई सौ स्टार्टअप्स को अपना सहयोग प्रदान करेगा। यह व्यवस्था रक्षा प्रौद्योगिकी तथा कृषि प्रौद्योगिकी में भी उत्कृष्टता के लिए स्थापित उन केन्द्रों के अतिरिक्त है,जिन्हें पूर्व में आईआईटी कानपुर एवं राज्य सरकार की साझेदारी से स्थापित किया गया है। आईआईटी कानपुर को स्कूल ऑफ मेडिकल रिसर्च एण्ड टेक्नोलॉजी नामक एक नये सुपर स्पेशियलिटी चिकित्सा संस्थान की स्थापना की जाएगी। इसमें आईआईटी कानपुर के साथ राज्य सरकार की अन्य संस्थाएं केजीएमयू,एकेटीयू आदि संस्थाएं मिलकर इन कार्यक्रमों को आगे बढ़ाएंगी।स्कूल ऑफ मेडिकल रिसर्च एण्ड टेक्नोलॉजी संस्थान प्रदेश की स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने में उपयोगी सिद्ध होगी। चिकित्सा प्रौद्योगिकी के ईको सिस्टम को बढ़ावा देगी। प्रदेश सरकार ने वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप तकनीकी संस्थानों में नये ट्रेड के संचालन के लिए टॉस्क फोर्स का गठन किया है। आईआईटी कानपुर तथा डॉ एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय,उत्तर प्रदेश एकेटीयू द्वारा संयुक्त रूप से केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के वित्त पोषण से एकेटीयू में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी मंच स्थापित किया गया है। इस मंच के माध्यम से एकेटीयू की फैकल्टी एवं विद्यार्थियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण एवं शिक्षा प्रदान की जा रही है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

नव वर्ष विशेष: भारत में नववर्ष की अनूठी परंपराएं

- श्वेता गोयल

देश में जिस प्रकार दीवाली, होली, दशहरा, ईद, क्रिसमस, गुरुपर्व इत्यादि अनेक त्यौहार बड़ी धूमधाम, उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाए जाते हैं, बिल्कुल वैसा ही उत्साह लोगों में नववर्ष के अवसर पर भी देखा जाता है। नव वर्ष के प्रथम दिन लोग एक-दूसरे को बधाई देते हैं और स्वयं के लिए भी कामना करते हैं कि नया साल शुभ एवं फलदायक हो, नए साल में सफलता उनके कदम चूमे तथा नव वर्ष उनके जीवन को खुशियों से महका दे। नए साल के आगमन की खुशी में लोग नव वर्ष की पूर्व संध्या पर नाचते-गाते हैं और खुशियां मनाते हैं। नाच-गाने का यह सिलसिला घड़ी में रात्रि के 12 बजने अर्थात् नव वर्ष के आरंभ होने तक चलता है और घड़ी की सुईयों द्वारा जैसे ही 12 बजने का संकेत मिलता है अर्थात् नया साल दस्तक देता है, चहुं ओर आतिशबाजियों का धूमधड़ाका शुरू हो जाता है। एकबारगी तो यही अहसास होता है कि मानो डेढ़-दो माह बाद एक बार फिर से दीवाली का त्यौहार लौट आया हो। दुनिया भर में नव वर्ष का स्वागत बड़ी धूमधाम, उमंग और उल्लास के साथ किया जाता है। अनेक देशों में नववर्ष से जुड़ी अपनी-अपनी परंपराएं हैं। हमारे देश के विभिन्न प्रांतों में भी नववर्ष का स्वागत अलग-अलग तरीके से किया जाता है लेकिन कई जगह नव वर्ष मनाने की परंपराएं और रीति-रिवाज इतने विचित्र हैं कि लोग उनके बारे में जानकर आश्चर्यचकित हो जाते हैं। संभवत: दुनिया भर में भारत ही एकमात्र ऐसा देश है, जहां नव वर्ष एक से अधिक बार और विविध रूपों में मनाया जाता है। हमारे यहां ईस्वी संवत् और विक्रमी संवत् दोनों को ही महत्व दिया जाता है। ईस्वी संवत् के अनुसार नव वर्ष की शुरुआत एक जनवरी को और विक्रमी संवत् के अनुसार नए साल की शुरुआत वैशाख माह के प्रथम दिन से मानी जाती है जबकि इस्लाम में हिजरी संवत् के आधार पर नववर्ष की शुरुआत मानी जाती है। बहरहाल, नव वर्ष मनाने की परंपराएं चाहे कुछ भी हों, सभी का उद्देश्य एक ही है और वह है नव वर्ष सुख, शांति एवं समृद्धि से परिपूर्ण हो। आइए जानते हैं, भारत के विभिन्न हिस्सों में कैसे मनाया जाता है नव वर्ष: महाराष्ट्र में नव वर्ष के शुभ अवसर पर एक सप्ताह पहले ही घरों की छतों पर रेशमी पताका फहराई जाती है। घरों व दफ्तरों को रंग-बिरंगे फूलों से सजाया जाता है तथा इस दिन पतंगें उड़ाकर नव वर्ष का स्वागत किया जाता है। बिहार में नव वर्ष के मौके पर विद्या की देवी सरस्वती की पूजा-अर्चना की जाती है। गरीब बच्चों को कपड़े तथा चावल का दान किया जाता है ताकि वर्ष भर घरों में सुख-शांति एवं समृद्धि बनी रही।असम में नव वर्ष की यादगार बेला में घर के आंगन में मांडणे (रंगोली) सजाए जाते हैं तथा दीप या मोमबत्तियां जलाई जाती हैं। गाय को रोटी और गुड़ खिलाया जाता है ताकि नव वर्ष हंसी-खुशी के साथ गुजरे। केरल में नव वर्ष के अवसर पर नीम व तुलसी की पत्तियां तथा गुड़ खाना शुभ माना जाता है। माना जाता है कि इनको खाने से शरीर साल भर तक स्वस्थ बना रहता है। राजस्थान में नव वर्ष के विशेष अवसर पर गुड़ से बने पकवान खाना बहुत शुभ माना जाता है ताकि वर्षभर मुंह से मधुर बोली ही निकलती रहे। मणिपुर में इस दिन तरह-तरह की आतिशबाजी की जाती है तथा अनेक स्थानों पर भूत-प्रेतों के पुतले बनाकर भी जलाए जाते हैं ताकि भूत-प्रेत किसी को नुकसान न पहुंचा सकें। छत्तीसगढ़ में यहां के आदिवासी समाज के लोग तरह-तरह के गीत गाकर नव वर्ष का स्वागत करते हैं। इस दिन यहां बच्चों को गोद लेने की प्रथा भी है ताकि वर्ष का प्रत्येक दिन खुशियों से भरा रहे। राज्य के कुछ आदिवासी इलाकों में फसल में महुआ के फूल दिखाई देने पर आदिवासी

उत्सव मनाया जाता है, जो उनके नव वर्ष का प्रारंभ माना जाता है। देश के कई अन्य आदिवासी इलाकों में उनके देवी-देवताओं के आराधना पर्वों के हिसाब से नव वर्ष की शुरुआत मानी जाती है। जम्मू कश्मीर में नव वर्ष के उपलक्ष्य पर अनाथ बच्चों को भरपेट भोजन कराकर नए कपड़े पहनाए जाते हैं और उनके माथे पर तिलक लगाकर आरती उतारी जाती है ताकि नव वर्ष हंसी-खुशी के साथ व्यतीत हो सके। नागालैंड के नाग आदिवासी नाग पंचमी के दिन से ही अपने नव वर्ष की शुरुआत करते हैं।कृषि प्रधान राज्यों पंजाब तथा हरियाणा में यूं तो आजकल एक जनवरी को ही नव वर्ष धूमधाम से मनाया जाता है किन्तु यहां नई फसल का स्वागत करते हुए नव वर्ष वैसाखी के रूप में भी मनाया जाता है। व्यापारी समुदाय के लोग अपने आर्थिक हिसाब-किताब की दृष्टि से दीवाली से ही नववर्ष की शुरुआत मानते हैं जबकि वित्तीय आधार पर शासकीय नववर्ष की शुरुआत एक अप्रैल से होती है।

(लेखिका शिक्षिका हैं।)

सू-दोकू नवताल -2005

1	6			8		4	3	5
3	8		4	1	7		2	9
		9						
			2			1		7
8	7			4			9	6
6		2			9			
						8		
4	2		5	6	8		7	3
9	3	8		2			6	1

सू-दोकू -2004 का हल

2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2005

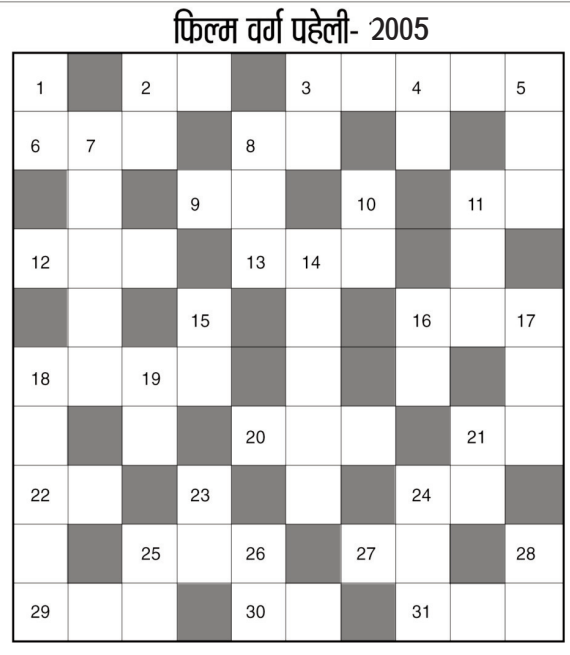

बायें से दायें:-

2. संजीव कुमार, सुचित्रा सेन की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-2
3. 'इस दीवाने लड़के को' गीत वाली फिल्म-5
6. 'देखो जी देखो मेरा दिल धड़के' गीत वाली फिल्म-3
8. फिल्म 'हैलो ब्रदर' की नायिका-2
9. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की फिल्म-2
11. ऋषि कपूर, अश्विनी भावे, जेबा बख्तियार की फिल्म-2
12. धर्मेन्द्र, सनी, बॉबी, कैटरीना, शिल्पा शेट्टी अभिनीत फिल्म-3
13. फिल्म 'मि. इंडिया' की नायिका-3
16. फिल्म 'बंदिनी' में अशोक कुमार के साथ नायिका-3
18. बॉबी देओल, ट्विंकल की 'नहीं ये हो नहीं सकता' गीत वाली फिल्म-3
20. राजेश खन्ना, अमिताभ, शर्मिला की फिल्म-3
21. संजय दत्त, अभिषेक बच्चन, एशा देओल, राइमा सेन की फिल्म-2
22. 'कोयल सी तेरी बोली' गीत वाली फिल्म-2
24. अमिताभ,अमृता सिंह की फिल्म-2
25. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला सिन्हा की फिल्म-3
27. अक्षय कुमार, रवीना टंडन की 'क्यूं आंचल हमारा गिरा जा रहा है' गीत वाली फिल्म-2
29. 'हर गोरी रानी यहां' गीत वाली अमिताभ, वहीदा, जीनत अमान, परवीन बाबी की फिल्म-3
30. राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला टैगोर की 'अब चाहे सर फूटे या माथा' गीत वाली फिल्म-2
31. 'मुझे दुनिया वालों शराबी ना समझो' गीत वाली दिलीप कुमार, वैजयंतीमाला की फिल्म-3

ऊपर से नीचे:-

1. प्रशांत और ऐश्वर्या राय की फिल्म-2
2. अमिताभ, अक्षय कुमार, अर्जुन रामपाल, सुष्मिता अभिनीत फिल्म-2
3. फिल्म 'डकैत' में मीनाक्षी के साथ नायक-2
4. 'चांद सिफारिश जो करता हमारी' गीत वाली फिल्म-2
5. फिल्म 'गॉडमदर' में शीर्षक भूमिका किसने की थी ?-3
7. राजकुमार, विनोद मेहरा, हेमा मालिनी, राखी अभिनीत फिल्म-2,3
8. फिल्म 'जी चाहता है' में जॉय मुखर्जी के साथ नायिका-3
10. संजीव कुमार, नूतन अभिनीत फिल्म-2
11. 'बहके बहके कदम हैं' गीतवाली फिल्म-3
14. फिल्म 'लव मैरिज' में माला सिन्हा के साथ नायक-2,3
15. सनी, सलमान, करिश्मा, अभिनीत फिल्म-2
16. फारुख शेख, पूनम ढिल्लों की फिल्म-2
17. फिल्म 'रात और दिन' की नायिका-3
18. अशोक कुमार, प्रदीप कुमार, मीना कुमारी अभिनीत फिल्म-2,3
19. 'हर तरफ हर जगह' गीत वाली जॉन, तारा शर्मा की फिल्म-2
21. राजेश खन्ना, हेमा,पूनमढिल्लो की फिल्म-2
23. विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-2
24. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की फिल्म-3
25. आमिर, मनीषा अभिनीत फिल्म-2
26. विनोद मेहरा, बिंदिया गोस्वामी, अमजद की फिल्म-2
28. श्रेयस तलपदे, आयशा टकिया, गुल पनाग की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2004

सोने और चांदी में गिरावट

नई दिल्ली। सोने ओर चांदी की कीमतों में गिरावट आई है। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में गुरुवार को सोना 98 रुपये नीचे आकर 46,688 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। वहीं पिछले कारोबारी सत्र में सोना 46,786 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। दूसरी ओर चांदी की कीमत भी 699 रुपये की गिरावट के साथ ही 60,024 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई जबकि पिछले कारोबारी सत्र में यह 60,723 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना गिरावट के साथ 1,799 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जबकि चांदी 22.60 डॉलर प्रति औंस पर बनी रही।

रुपया 74.42 प्रति डॉलर पर पहुंचा

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को रुपया ऊपर आया है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया 29 पैसे उछलकर 74.42 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं रुपया 74.56 रुपये प्रति डॉलर पर मजबूत खुला। कारोबार के दौरान यह ऊंचे में 74.38 और नीचे में 74.65 तक गया। अंत में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले यह 29 पैसे की तेजी के साथ 74.42 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। पिछले कारोबारी सत्र में यह मात्र एक पैसे की गिरावट दिखाता हुआ 74.71 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह मुद्राओं की तुलना में डॉलर का रुख दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.26 फीसदी बढ़कर 96.18 हो गया।

नियो-बैंक जूपिटर ने 641 करोड़ रुपये जुटाए

मुंबई। नियो बैंकिंग स्टार्टअप जूपिटर ने टाइगर ग्लोबल और सिकोया कैपिटल की अगुवाई में विभिन्न निवेशकों से श्रृंखला-सी वित्तपोषण दौर में 641.40 करोड़ रुपये (8.6 करोड़ डॉलर) जुटाए हैं। जूपिटर ने कहा कि वित्तपोषण के इस दौर के बाद उसका मूल्यांकन 5,302 करोड़ रुपये या 71.1 करोड़ डॉलर पर पहुंच गया है। नियो बैंक डिजिटल बैंक होते हैं और इनकी शाखाएं नहीं होतीं। वित्तपोषण के इस दौर में टाइगर ग्लोबल, सिकोया इंडिया और अमेरिका स्थित उद्यम कोष क्यूईडी इन्वेस्टर्स के अलावा मौजूदा निवेशकों मसलन मैट्रिक्स पार्टनर्स इंडिया ने भाग लिया।

बजाज हाउसिंग फाइनेंस बेहतर क्रेडिट स्कोर वालों को देगी सस्ता आवास ऋण

नई दिल्ली । बजाज हाउसिंग फाइनेंस ने नई पेशकश की घोषणा कर कहा कि वह बेहतर क्रेडिट स्कोर वाले लोगों को कम से कम 6.65 प्रतिशत की दर से आवास ऋण देगी। बजाज हाउसिंग फाइनेंस ने कहा कि उद्योग में पहली बार हाउसिंग फाइनेंस कंपनी (एचएफसी) पात्र घर खरीदारों को अपने आवास ऋण की दरों को रेपो दर से जोड़ने का विकल्प दे रही है। कंपनी ने कहा कि इससे उन्हें आरबीआई की तरफ से दरों में की जाने वाली कमी का फायदा मिलेगा।कंपनी ने कहा कि आवास ऋण की घटी हुई दर का लाभ उठाने के लिए कम से कम 800 का सिबिल स्कोर होना चाहिए। हालांकि, 750 और 799 के बीच क्रेडिट स्कोर वाले भी प्रतिस्पर्धी दर पर आवास ऋण पा सकते हैं।

सरकार ने जीएसटी रिटर्न भरने की नियत सीमा में की दो महीने की वृद्धि

नई दिल्ली । केद्र सरकार ने मार्च-2021 में समाप्त होने जा रहे वित्त वर्ष 2020-21 के लिए वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का वार्षिक रिटर्न भरने की नियत समय सीमा दो महीने बढ़ा दी है। अब कारोबारी 28 फरवरी तक रिटर्न दाखिल कर सकेंगे। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड(सीबीआईसी) ने बुधवार देर रात को ट्वीट करके यह जानकारी दी। इसमें बताया गया, 'वित्त वर्ष 2020-21 के लिए फॉर्म जीएसटीआर-9 में वार्षिक रिटर्न भरने और फॉर्म जीएसटीआर-9सी में स्व-प्रमाणित समाधान विवरण प्रस्तुत करने की नियत तिथि 31 दिसंबर 2021 से बढ़ाकर 28 फरवरी 2022 कर दी गई है।' जीएसटीआर-9 वार्षिक रिटर्न होता है जो जीएसटी के तहत पंजीकृत करदाताओं को प्रति वर्ष दाखिल करना होता है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई (एजेंसी)।

मुम्बई शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में यह गिरावट दुनियां भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही रिलायंस इंडस्ट्रीज, बजाज फाइनेंस और मारुति जैसे शेयरों में गिरावट से आई है। इसके अलावा कोरोना के नये वैरिएंट ओमीक्रोन के बढ़ते मामलों को देखते हुए भी निवेशकों ने खरीददारी में सतर्कता बरती जिससे भी बाजार दबाव में आया। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 12.17 अंक करीब 0.02 फीसदी की गिरावट के साथ ही 57,794.32 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार, एनएसई निफ्टी 9.65 अंक तकरीबन 0.06 फीसदी के घाटे से 17,203.95 अंक पर बंद हुआ। सबसे ज्यादा दो फीसदी की गिरावट रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में रही। इसके अलावा टाटा स्टील, मारुति सुजूकी, बजाज फाइनेंस, सन फार्मा और भारतीय स्टेट बैंक के शेयरों को भी नुकसान हुआ। वहीं दूसरी ओर एनटीपीसी, एचसीएल टेक, इंडसइंड बैंक, टाइटन, विप्रो और डा. रेड्डीज के शेयर ऊपर आये हैं। इससे पहले आज सुबह भी बाजार गिरावट के साथ खुला और उसके बाद दिन भर यही माहौल रहा। वहीं बुधवार को मुनाफावसूली से बाजार नीचे आया था। कमजोर कारोबार के बीच बाजार में आखिर घंटे में बिकवाली देखने को मिली जिसके चलते सेसेंक्स-निफ्टी दोनों लाल निशान में बंद हुए थे।

सरकार ने कारोबारियों को दी बड़ी राहत, GST रिटर्न भरने की समयसीमा दो महीने बढ़ाई

नेशनल डेस्क। सरकार ने मार्च 2021 में समाप्त होने जा रहे वित्त वर्ष 2020-21 के लिए वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का वार्षिक रिटर्न भरने की समयसीमा दो महीने बढ़ा दी है। अब कारोबारी 28 फरवरी तक रिटर्न दाखिल कर सकेंगे। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमाशुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने बुधवार देर रात को ट्वीट करके यह जानकारी दी। इसमें बताया गया, ''वित्त वर्ष 2020-21 के लिए फॉर्म जीएसटीआर-9 में वार्षिक रिटर्न भरने और फॉर्म जीएसटीआर-9सी में स्व-प्रमाणित समाधान विवरण प्रस्तुत करने की नियत तिथि 31 दिसंबर 2021 से बढ़ाकर 28 फरवरी 2022 कर दी गई है।%% जीएसटीआर-9 वार्षिक रिटर्न होता है जो जीएसटी के तहत पंजीकृत करदाताओं को प्रति वर्ष दाखिल करना होता है।

रिजर्व बैंक ने राजकोषीय घाटे के लक्ष्य हासिल करने को लेकर जताई आशंका

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश के बैंकों के संचालन के शीर्ष संस्थान भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष के लिए राजकोषीय घाटे का लक्ष्य हासिल करने को लेकर आशंका जताई है। सरकार ने चालू वित्त वर्ष के लिए राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 6.8 प्रतिशत तक सीमित रखने का बजट लक्ष्य रखा है, लेकिन केंद्रीय बैंक का मानना है कि यह ऊपर जा सकता है। आरबीआई ने शुद्ध रूप से कर राजस्व अब तक 83 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 10.53 लाख करोड़ रुपये पहुंचने के बावजूद 3.73 लाख करोड़ रुपए की दूसरे अनुपूरक अनुदान मांग को देखते हुए यह अंदेशा जताया है। सरकार ने 2021-22 के बजट में 34.83 लाख करोड़ रुपए के कुल व्यय का निर्धारण किया है। यह जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) का 6.8 प्रतिशत है। रिजर्व बैंक ने जारी वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट में कहा कि सरकार का शुद्ध कर राजस्व अक्टूबर, 2020 के 5,75,697 करोड़ रुपए से बढ़कर 2021 में अक्टूबर तक 10,53,135 करोड़ रुपए पहुंच गया। यह सालाना आधार पर 82.93 प्रतिशत अधिक है। वहीं कुल व्यय इस दौरान केवल 9.95 प्रतिशत बढ़ा है। बुनियादी ढांचे की अगुवाई में कुल व्यय अक्टूबर, 2021 तक 18,26,725 करोड़ रुपए रहा जो पिछले साल इसी अवधि में 16,61,454 करोड़ रुपए था। रिपोर्ट के अनुसार, कुल कर राजस्व इस साल अक्टूबर तक 55.79 प्रतिशत बढ़कर 13,64,101 करोड़ रुपए रहा जो अक्टूबर, 2020 में 8,75,591 करोड़ रुपए था। अक्टूबर तक सरकार के सभी घाटे में (सकल राजकोषीय घाटा, प्राथमिक घाटा और राजस्व घाटा) सालाना आधार के साथ-साथ महामारी-पूर्व स्तर से सुधार के संकेत हैं। मजबूत वृद्धि के साथ सकल कर राजस्व बेहतर है।

विकास की राह में बाधा बन सकता है ओमीक्रोन, RBI बोला- बैंक चुनौतियों से निपटने में सक्षम

(एजेंसी)।

भारतीय रिजर्व बैंक ने कहा है कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही से अर्थव्यवस्था धीरे-धीरे गति पकड़ रही है और मजबूत बनी हुई है, लेकिन बढ़ते मुद्रास्फीति दबाव के साथ कोरोना वायरस का नया स्वरूप ओमीक्रोन एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। रिजर्व बैंक ने यह बात बुधवार को जारी दूसरी वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट में कही है। रिपोर्ट की प्रस्तावना में रिजर्व बैंक गवर्नर शक्तिकांत दास ने लिखा है कि इस साल अप्रैल-मई में विनाशकारी कोरोना वायरस महामारी की दूसरी लहर के बाद वृद्धि परिदृश्य धीरे-धीरे बेहतर हुआ है।

अर्थव्यवस्था के समक्ष चुनौती पैदा हुई

लेकिन वैश्विक घटनाक्रमों और हाल में सामने आये वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन की वजह से अर्थव्यवस्था के समक्ष चुनौती पैदा हुई है। उन्होंने कहा कि मजबूत और सतत पुनरुद्धार निजी निवेश तथा निजी खपत में तेजी पर निर्भर है। लेकिन दुर्भाग्य से ये दोनों अब भी महामारी-पूर्व स्तर से नीचे हैं। दास ने स्वीकार किया कि लागत बढ़ने की वजह से उत्पन्न मुद्रास्फीति को लेकर चिंता बनी हुई है। उन्होंने खाद्य और ऊर्जा कीमतों को काबू में लाने के लिये आपूर्ति के मोर्चे पर ठोस उपाय करने का आह्वान किया। गवर्नर ने कहा कि नीति और नियामकीय समर्थन के साथ महामारी के दौरान वित्तीय संस्थान मजबूत बने रहे हैं और वित्तीय बाजारों में स्थिरता रही है।

उछल सकता है एनपीए

उन्होंने भरोसा जताया कि पूंजी और नकदी की बेहतर स्थिति के साथ बैंकों का मजबूत बही-खाता भविष्य के झटकों से निपटने में मदद करेगा। दास ने बैंकों के दबाव परीक्षण का हवाला देते हुए आगाह किया कि एनपीए (गैर-निष्पादित परिसंपत्ति) सितंबर, 2022 में उछलकर 8.1-9.5 प्रतिशत तक जा सकता है जो सितंबर, 2021 में 6.9 प्रतिशत था। उन्होंने वृहत आर्थिक और वित्तीय स्थिरता के साथ मजबूत, टिकाऊ और समावेशी वृद्धि के लिये दृढ़ तथा कुशल वित्तीय प्रणाली सुनिश्चित करने को लेकर रिजर्व बैंक की प्रतिबद्धता को दोहराया।

भारत ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भता में लगाई देश ने लंबी छलांग

नई दिल्ली:

बीते साल जहां देश ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और आधुनिकीकरण के मोर्चे पर लंबी छलांग लगायी जिससे सेनाओं की मारक क्षमता बढ़ी, वहीं भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए सेनाओं के एकीकरण की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण पहल की गयी हालांकि इसके सूत्रधार और प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल बिपिन रावत की दुर्घटन में मृत्यु से सशस्त्र बलों को अत्यधिक गहरा आधात पहुंचा। रक्षा उत्पादों और हथियारों के बड़े आयातक की छवि को पीछे छोड़कर देश ने इस वर्ष रक्षा उत्पादों के विनिर्माण का हब बनने के लिए हर संभव प्रयासों का सूत्रपात करते हुए रक्षा निर्यात को बढ़ाने की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाये और अनेक मुकाम हासिल किये। विमानवाहक पोत से लेकर , लड़ाकू विमान, हेलिकॉप्टर, पनडुब्बी , मिसाइल , असाल्ट राइफल , तोप, राकेट , अत्याधुनिक राडार प्रणाली,हवाई पट्टी रोधी हथियार और अनेक महत्वपूर्ण रक्षा उत्पाद अब देश में ही बनाये जा रहे हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रूस , अमेरिका और फ्रांस तथा अनेक सहयोगी देशों से दो टूक शब्दों में कहा है कि देश की सुरक्षा के लिए जरूरी हथियार और प्लेटफार्म अब हमारी सरजमीं पर ही बनाये जायेंगे। सरकार ने रक्षा क्षेत्र में आयात में निरंतर कमी लाने की अपनी प्रतिबद्धता पर आगे बढ़ते हुए हजारों रक्षा उत्पादों के आयात पर प्रतिबंध लगाने के लिए इस वर्ष इन उत्पादों की दो सूची जारी की। इनमें शामिल उत्पादों के आयात को चरणबद्ध तरीके से पूरी तरह बंद किया जा रहा है। पिछले डेढ़ वर्ष से भी अधिक समय से पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ चले आ रहे सैन्य गतिरोध के समाधान की दिशा में सैन्य कमांडरों ने 13 दौर की बातचीत के माध्यम से सीमित सफलता हासिल की जिसके तहत नियंत्रण रेखा पर लगभग आमने-सामने खड़े दोनों देशों के सैनिकों को पीछे हटाया गया जिससे तनाव में थोड़ी कमी आयी। वास्तविक नियंत्रण रेखा पर अलग-अलग समय में अलग-अलग जगह पर दोनों देशों की सेनाओं के बीच छिटपुट झड़पों का दौर साल भर चलता रहा। अभी भी सेना तमाम प्रतिकूल परिस्थितियों में इस दुर्गम क्षेत्र में मातृ भूमि की रक्षा में मुस्तैदी से तैनात है और उसने दुश्मन की सभी नापाक हरकतों तथा साजिशों का करारा जवाब दिया है। इस क्षेत्र में दोनों सेनाओं के करीब 50-50 हजार सैनिक तैनात हैं। चीन और पाकिस्तान की ओर से दो मोर्चों पर एक साथ उत्पन्न होने वाले खतरों की आशंकाओं तथा भविष्य की अन्य चुनौतियों से निपटने के लिए शुरू किये गये सेनाओं के एकीकरण के अभियान को भी तेजी से अमलीजामा पहनाने की दिशा में काम किया जा रहा है। अभी तीनों सेनाओं की 17 कमान हैं जिनमें से सेना और वायु सेना की 7-7 तथा नौसेना की 3 कमान हैं। एकीकरण की प्रक्रिया में इन सबको मिलाकर चार या पांच कमान बनाये जाने की कवायद की जा रही है। देश के पहले प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल रावत की असमय तथा अचानक हुई मौत से सेनाओं के एकीकरण के प्रयासों को झटका लगा है, लेकिन इस दिशा में काम रुका नहीं है और यह बदस्तूर जारी है। जनरल रावत, उनकी पत्नी तथा 12 अन्य सैनिकों की गत आठ दिसम्बर को तमिलनाडु में एक हेलिकॉप्टर दुर्घटना में मौत हो गयी थी। सैन्य कूटनीति के क्षेत्र में भी प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए भारत ने अमेरिका, जापान और आस्ट्रेलिया के बाद अब रूस के साथ भी रक्षा तथा विदेश मंत्री स्तर की टू प्लस टू वार्ता कर अपने संबंधों को पुख्ता किया है। समुद्री क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभुत्व से निपटने और हिन्द प्रशांत क्षेत्र को मुक्त, समृद्ध और समावेशी बनाने के लिए उसने अमेरिका, जापान और आस्ट्रेलिया के साथ अपने गठजोड़ 'क्वाड% को और मजबूत बनाने की दिशा में ठोस प्रयास किये हैं। रक्षा क्षेत्र में सुधारों को आगे बढ़ाते हुए सरकार ने अपनी आयुध निर्माणियों के निगमीकरण की अपनी योजना को मूर्त रूप देते हुए इसी वर्ष सात नये सार्वजनिक क्षेत्र के उपकरणों का गठन किया। रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने की मुहिम को आगे बढ़ाते हुए हिन्दुस्तान ऐरोनाटिक्स लिमिटेड से 83 स्वदेशी तेजस विमान की खरीद का आडर्र दिया गया। इसी वर्ष नौसेना के लिए छह पारंपरिक पनडुब्बी देश में ही बनाये जाने की परियोजना को भी मंजूरी दी गयी। देश में ही बनाये जा रहे विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत के समुद्री परीक्षण भी गत अगस्त में शुरू हुए और इसे आने वाले वर्ष नौसेना के बेड़े में शामिल किये जाने की उम्मीद है।

आरबीएल बैंक ने 300 करोड़ का दिया कर्ज, सात महीने में ही बैड लोन में बदला

रिजर्व बैंक ने की कड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने मुंबई के आरबीएल बैंक के खिलाफ नियमों को उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई की है। केंद्रीय बैंक ने क्रिसमस के दिन इस निजी बैंक में दो बड़े बदलाव किए थे। आरबीआई के चीफ जनरल मैनेजर योगेश दयाल को इस निजी बैंक के बोर्ड में एडिशनल डायरेक्टर बनाया गया था जबकि लंबे समय से बैंक के एमडी और सीईओ रहे विश्ववीर आहूजा को तत्काल छुट्टी पर भेज दिया। इससे बैंक के शेयरों में भारी गिरावट आई। लेकिन आरबीएल बैंक के खिलाफ आरबीआई की इस कार्रवाई की असली वजह अब सामने आई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक आरबीएल बैंक ने 300 करोड़ रुपए का लोन दिया और सात महीने में ही उसे बैड लोन में बदलकर बट्टे खाते में डाल दिया। सूत्रों के मुताबिक आरबीएल बैंक ने 2018 में एक कंपनी को लोन दिया था। यह बैंकों के एक कंसोर्टियम के रूप में दिया गया था। आरबीआई पिछले कई महीनों से बैंक के रिस्क डिपार्टमेंट से लोन पोर्टफोलियो की डिटेल मांग रहा था। तत्काल यह साफ नहीं हो पाया था कि बैंक ने किस कंपनी को यह लोन दिया था। सूत्रों के मुताबिक आरबीआई ने किसी खास ट्रांजैक्शन को लेकर आपत्ति नहीं जताई थी लेकिन बोर्ड के सदस्यों को कुछ गड़बड़ लगा। उन्होंने इस बारे में आरबीआई से संपर्क साधा लेकिन उन्हें आरबीआई को योजना की भनक नहीं लगी। आखिर 24 दिसंबर को आरबीआई ने बैंक को जानकारी दी की उसने दयाल को बैंक के बोर्ड में नियुक्त कर दिया। इसके अगले दिन दयाल ने कहा कि अगर बैंक के एमडी विश्ववीर आहूजा अपने पद पर बने रहते हैं तो आरबीआई के पास बैंक के बोर्ड को भंग करने के अलावा कोई चारा नहीं रह जाएगा। आहूजा को तत्काल छुट्टी पर भेज दिया गया। उनकी जगह एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर राजीव आहूजा को अंतरिम एमडी और सीईओ बनाया गया है।

इस खबर के बाद आरबीएल का शेयर सोमवार को 20 फीसदी से अधिक टूट गया था। गुरुवार को भी इसमें गिरावट देखी जा रही है। 11.00 बजे यह 8.49 फीसदी की गिरावट के साथ 132.05 रुपए पर ट्रेड कर रहा था। एनालिस्ट्स का कहना है कि आरबीआई की कार्रवाई से बैंक में अनिश्चितता बढ़ेगी और स्टॉक पर शॉर्ट से मीडियम टर्म में नकारात्मक असर होगा। उनका कहना है कि दिसंबर, 2021 तिमाही का रिजल्ट बैंक और उसके शेयर में निवेशकों के भरोसे को बहाल करने के लिए अहम होगा।

डूबे कर्ज को बैंकों ने बही-खाते से हटाया, फिर कहा- कम हो गया एनपीए : रिजर्व बैंक रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय बैंकों की शीर्ष नियामक संस्था रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की एक ताजा रिपोर्ट से बड़ा खुलासा हुआ है। कोरोना के बुरे प्रभावों के बाद भी बैंकों की एसेट क्वालिटी सुधर गई है। यह बैंकों के ग्रॉस एनपीए में लगातार कमी आने से हुआ है। हालांकि जब आंकड़ों पर गौर करें तो कुछ अलग बात निकलकर सामने आती है। एसेट क्वालिटी में आए इस सुधार का कारण फंसे लोन की बढ़ी रिकवरी नहीं बल्कि इन्हें बही-खाते से पूरी तरह निकाल देना (राइट-ऑफ) है। इस सप्ताह जारी रिजर्व बैंक की वित्त वर्ष 2020-21 (एफवाई 21) की सालाना रिपोर्ट के अनुसार, ग्रॉस एनपीए का अनुपात इधर कुछ सालों में लगातार कम हुआ है। यह अनुपात वित्त वर्ष 2019-20 (एफवाई20) के अंत में यानी मार्च 2020 में 8.2 फीसदी था, जो साल भर बाद मार्च 2021 में कम होकर 7.3 फीसदी पर आ गया। यह सितंबर 2021 तक और कम होकर 6.9 फीसदी पर आ गया। बैंकों के ग्रॉस एनपीए में 2018 के बाद लगातार कमी आ रही है। यह करीब छह साल के सबसे निचले स्तर पर आ चुका है। आरबीआई की रिपोर्ट में बताया गया है कि ग्रॉस एनपीए में कमी आने का मुख्य कारण लोन को राइट-ऑफ किया जाना है। एब्सॉल्यूट टर्म में देखें तो ग्रॉस एनपीए मार्च 2020 में 8,99,803 करोड़ रुपए था, जो मार्च 2021 में कम होकर 8,37,771 करोड़ रुपए पर आ गया। इस दौरान एनपीए में 4 लाख करोड़ की भारी-भरकम तेजी आई, लेकिन दूसरी ओर बैंकों ने रिकॉर्ड 2.08 लाख करोड़ रुपए के फंसे कर्ज को राइट-ऑफ भी किया। 2020-21 के दौरान राइट ऑफ किए गए लोन में टॉप5 सरकारी बैंकों का हिस्सा ही 89,686 करोड़ रुपए रहा। इनमें एसबीआई ने 34,402 करोड़ रुपये, यूनियन बैंक ने 16,983 करोड़ रुपए, पंजाब नेशनल बैंक ने 15,877 करोड़ रुपए और बैंक ऑफ बड़ौदा ने 14,782 करोड़ रुपए के फंसे कर्ज को राइट-ऑफ किया। राइट ऑफ किए गए कुल लोन में सरकारी बैंकों (पीएसबी) का हिस्सा करीब 75 फीसदी रहा। पिछले 10 साल का आंकड़ा देखें तो राइट-ऑफ किए गए कर्ज 10.72 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच जाते हैं।

वर्चुअल करेंसी के भविष्य पर तलवार, भारतीय युवा दिख रहे करेंसी में झुकाव

नई दिल्ली (एजेंसी)।

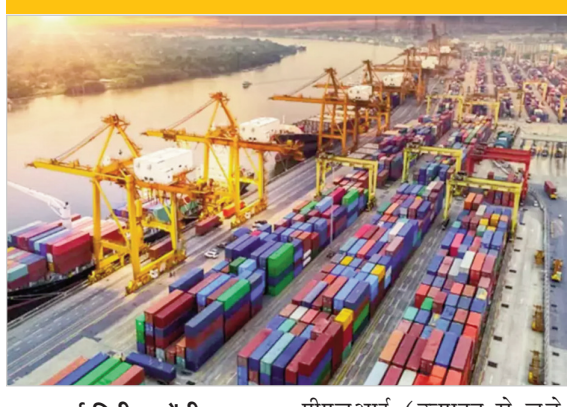

दुनिया के दूसरे देशों की तरह भारत में भी वर्चुअल करेंसी (क्रिप्टोकरेंसी) के प्रति युवा पीढ़ी का झुकाव तेजी से बढ़ रहा है। भारत में मुद्राओं के भविष्य पर अनिश्चितता की तलवार लटक हुई हैं,लेकिन युवाओं में इसकी जरा भी परवाह नहीं दिख रही है। दुनिया में क्रिप्टोकरेंसी का प्रसार 'चौथी औद्योगिक क्रांति मानी जा रही है।

दूसरी ओर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास लगातार कह रहे हैं कि क्रिप्टोकरेंसी मुख्य धारा का हिस्सा बनती हैं तब इसके गंभीर परिणाम' हो सकते हैं। आरबीआई चीन की तरह इन मुद्राओं पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाना चाहता है।इन्हें निवेश का जरिया तक मानने को तैयार नहीं है। संसद की वेबसाइट पर क्रिप्टोकरेंसी एवं आधिकारिक मुद्रा डिजिटल मुद्रा नियमन विधेयक सूचीबद्ध जरूर किया गया था मगर शीतकालीन सत्र में इस पेश नहीं किया।भारत में क्रिप्टोकरेंसी में निवेश करने वाले सबसे अधिक लोग हो गए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इन मुद्राओं को लेकर अनिश्चितता बरकरार रहने के बावजूद भारत में इसकी लोकप्रियता कम होती नहीं दिख रही है। जानकार कहते हैं,क्रिप्टोकरेंसी के संबंध में आरबीआई की चिंता वाजिब है।अगर आभासी मुद्राओं को सामानांतर मुद्रा के तौर पर मान्यता दी जाती है,तब देश में भुगतान प्रणाली पर प्रतिकूल असर हो सकता है।' दुनिया में क्रिप्टोकरेंसी बाजार पूंजीकरण नवंबर में 3 लाख करोड़ डॉलर से अधिक हो गया था। भारतीय निवेशकों ने बिटकॉइन, इथेरियम, लाइटकॉइन आदि आभासी मुद्राओं में 1,000 करोड़ डॉलर से अधिक निवेश किए हैं। इनमें खुदरा निवेशकों की संख्या अधिक रही है। पिछले एक वर्ष में इनमें कई आभासी मुद्राओं से 100 प्रतिशत से भी अधिक प्रतिफल मिला है।

आईटी उद्योग का प्रतिनिधित्व करने वाली संस्था नैसकॉम का अनुमान है कि देश में क्रिप्टो परिसंपत्तियों में निवेश मौजूदा 6.6 अरब डॉलर से बढ़कर 2030 तक 15.6 अरब डॉलर हो जाएगा।

ब्रोकरचूजर पोर्टल के अनुसार क्रिप्टोकरेंसी में 10 करोड़ भारतीयों ने निवेश किया है, जो दुनिया में सर्वाधिक संख्या है।

अगले साल भारत का निर्यात 530 अरब डॉलर तक पहुंचने की संभावना : फियो

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

अगले साल भारत का निर्यात में आशातीत वृद्धि की उम्मीद की जा रही है। इस अवधि में भारत का निर्यात 530 अरब डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। यदि ऐसा हुआ तो अगले साल निर्यात इस वर्ष के मुकाबले 130 अरब डॉलर बढ़ जाएगा। यह अनुमान निर्यातकों के प्रमुख संगठन फियो ने लगाया है। फियो ने यहां जारी एक बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 में देश के निर्यात में अच्छी वृद्धि दर्ज होने की उम्मीद है। यह 530 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है, क्योंकि निर्यातकों के पास काफी ऑर्डर हैं। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन (फियो) ने कहा कि अगले वित्त वर्ष में कुछ पीएलआई (उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन) क्षेत्रों से अतिरिक्त निर्यात आएगा। फियो के अध्यक्ष ए शक्तिवेल ने एक बयान में कहा, 'चूंकि भारत चालू वित्त वर्ष में 130 अरब डॉलर या उससे अधिक जोड़ेगा, ऐसे में हमें उसी पर बढ़ने का लक्ष्य रखना चाहिए और अधिक ऊंचा निर्यात हासिल करने का प्रयास करना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'चूंकि 2021-22 में हमारे 400 अरब डॉलर को पार करने की संभावना है, इसलिए हमें 2022-23 में 525-530 अरब डॉलर के निर्यात पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।' शक्तिवेल ने कहा कि सभी क्षेत्रों के निर्यातकों को अगले वित्त वर्ष के लिए काफी ऑर्डर मिले हैं। यह वर्ष 2022-23 में निर्यात में वृद्धि की संभावनाओं को आगे बढ़ाएंगे।

स्मृति मंधाना ICC की वर्ष की सर्वश्रेष्ठ टी20 महिला क्रिकेटर के लिए नामित

दुबई । भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना को गुरुवार को तीन अन्य क्रिकेटरों के साथ आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) की वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला टी20 खिलाड़ी पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया। मंधाना के अलावा इंग्लैंड की क्रिकेटर टैमी ब्यूमोंट और नेट साइवर तथा आयरलैंड के गैबी लुईस इस पुरस्कार की अन्य दावेदार हैं। मंधाना ने 2021 में 9 टी20 मैचों में 31.87 की औसत से 255 रन बनाये जिसमें दो अर्धशतक शामिल हैं। भारत के किसी भी खिलाड़ी को हालांकि वर्ष 2021 के लिए आईसीसी के सर्वश्रेष्ठ वनडे क्रिकेटर के लिए नामित नहीं किया गया है। बांग्लादेश के शाकिब अल हसन, पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम, दक्षिण अफ्रीका के जानेमन मलान और आयरलैंड के पॉल स्टर्लिंग इस पुरस्कार की दौड़ में शामिल हैं।

भारतीय टीम पहली बार सेंचुरियन में जीती

भारतीय टीम पहली बार सेंचुरियन में जीती, दक्षिण अफ्रीका को 113 रनों से हराया

सीरीज में 1-0 की बढ़त मिली प्लेयर ऑफ द मैचः लोकेश राहुल

सेंचुरियन ।

भारतीय टीम ने यहां सेंचुरियन में खेले गये पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में मेजबान दक्षिण अफ्रीकी टीम को 113 रनों से हरा दिया। इसी के साथ ही तीन टेस्ट मैचों की इस टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम को 1-0 की बढ़त मिल गयी है। यह पहली बार है जब सेंचुरियन में भारतीय टीम जीती है। वहीं विराट कोहली भारत के लिए दो बाक्सिंग डे टेस्ट मैच जीतने वाले पहले कप्तान बने हैं। पांचवें और अंतिम दिन दक्षिण अफ्रीकी टीम जीत के लिए मिले 305 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए अपनी दूसरी पारी में 191 रनों पर ही आउट हो गयी। मेजबान टीम ने अंतिम दिन चार विकेट पर 94 रनों से आगे खेलना शुरु किया पर भारतीय गेंदबाजों के सामने उसकी एक नहीं चली और वह दूसरी पारी में 191 रनों पर ही आउट हो गयी। भारत की ओर से मो शमी और जसप्रीत बुमराह ने तीन-तीन विकेट लिए जबकि दो विकेट आर आश्विन को मिले। शमी ने पहली पारी में भी शानदार गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट लिए थे। वहीं बल्लेबाजी के दौरान भारत की ओर से लोकेश राहुल ने सबसे ज्यादा 123 रन बनाये इस कारण उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला है। इस मैच में भारतीय टीम पूरी तरह हावी रही। भारतीय टीम के कप्तान विराट ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया था। जिसे सलामी बल्लेबाजों ने सही साबित किया। पहली पारी में राहुल ने शानदार शतकीय पारी खेली। जबकि मयंक अग्रवाल ने 60 रन बनाए थे। इसके अलावा रहाणे 48, कोहली 35 रन बना पाने में सफल हुए थे। जिसकी बदौलत भारतीय टीम ने पहली पारी में 327 रन बनाए। वहीं इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका पहली पारी में 197 रन पर ही सिमट गई। वहीं भारतीय टीम ने दूसरी पारी में 174 रन बनाए इस प्रकार उसे पहली पारी के आधार पर 130 रनों की बढ़त मिल गयी। पांचवें दिन बुमराह ने भारत को पहली और कुल पांचवीं सफलता दिलाई। बुमराह की गेंद पर डीन एल्गर एलबीडब्ल्यू आउट होकर पवेलियन लौटे। एल्गर ने 156 गेंदों पर 12 चौकों की मदद से 77 रन बनाए। कप्तान एल्गर ने संघर्ष किया पर बुमराह ने उन्हें आउट कर मेजबानों को करारा झटका दिया। भारत को छठवीं सफलता मोहम्मद सिराज ने दिलाई, उन्होंने क्विंटन डिकाक को 21 रन बनाकर आउट कर दिया। शमी ने भारत को सातवीं सफलता दिलाई। शमी ने वियान मुल्डर को 1 रन पर आउट किया। बुमराह ने वान डेर डुसेन को बोल्ड कर दिया। नाइट वाचमैन के रूप में आए केशव महाराज 8 रन पर आउट हुए । जानसेन को शमी ने 13 रन जबकि रबाडा को अश्विन ने शून्य पर आउट कर दिया। तेंबा 35 रन बनाकर नाबाद रहे तो वहीं अश्विन ने नगीडी को जीरो पर आउट कर भारत को जीत दिलाई।

आठ लोगों के कोरोना संक्रमित होने से एशेज सीरीज पर खतरा मंडराया

मेलबर्न ।

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर और मैच रेफरी डेविड बून के कोरोना संक्रमित होने से इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली जा रही एशेज सीरीज पर खतरा मंडराने लगा है। बून के संक्रमित होने से अब कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर आठ हो गयी है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने कहा है कि बून की जगह अब 5 जनवरी से सिडनी में होने वाले चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में स्टीव बर्नार्ड मैच रैफरी होंगे। बर्नार्ड आईसीसी पैनल के सदस्य भी हैं। बून सीरीज के 5वें मैच में वापसी करेंगे।

बून को कोरोना टीके के दोनों डोज लगे थे। उन्होंने बूस्टर डोज भी लिया था। इसके बाद भी वह संक्रमित हुए हैं। बून में संक्रमण के कोई लक्षण नहीं मिले हैं। वह अभी मेलबर्न में ही पृथकवास में रहेंगे। मेलबर्न में ही तीसरा टेस्ट खेला गया था। 27 दिसंबर से दोनों टीम के खिलाड़ियों, परिवार और सहयोगी स्टाफ का लगातार कोरोना टेस्ट कराया जा रहा है। इसी दौरान अब तक 8 लोग संक्रमित सामने आये हैं। इसमें इंग्लैंड टीम के मुख्य कोच क्रिस सिल्वरवुड भी शामिल हैं। वे भी मेलबर्न में ही हैं। ऐसे में चौथे टेस्ट में इंग्लैंड टीम बिना कोच के ही मैदान में उतरेगी। पांच टेस्ट मैचों की इस सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई टीम 3-0 से आगे है।

गांगुली की हालत स्थिर

कोलकाता ।

कोरोना संक्रमण के कारण वुडलैंड्स अस्पताल में भर्ती भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष सौरव गांगुली की तबियत अब ठीक है। इससे पहले गांगुली को संक्रमण की जांच में पॉजिटिव पाये जाने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अब वुडलैंड्स अस्पताल की सीईओ डॉ. रुपाली बासु ने कहा, गांगुली की हृदयगति स्थिर है, उन्हें बुखार नहीं है और बिना कृत्रिम सहायता के शरीर में आक्सीजन का स्तर 99 फीसदी बना हुआ है। उन्होंने कहा, गांगुली को कल रात अच्छी नींद आयी थी उन्होंने नाश्ता औरदोपहर का भोजन भी किया। उन्हें सोमवार रात 'मोनोकलोनल एंटीबॉडी कॉकटेल थेरेपी' भी दी गई थी। गांगुली के नमूने का ओमिक्रॉन संस्करण के लिए भी परीक्षण किया जा रहा है क्योंकि वे सभी पेशेवर गतिविधियों में भाग लेते हुए काफी यात्राएं कर रहे थे। एक बयान के अनुसार, मेडिकल बोर्ड उनके स्वास्थ्य पर करीबी नजर रखे हुए है। गांगुली को इस साल की शुरुआत में भी दिल के दौरे के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इस कारण उनकी दो बार एंजियोप्लास्टी भी हुई थी। इसी को देखते हुए डॉक्टर किसी प्रकार का खतरा मौल नहीं ले रहे।

भारत अंडर-19 एशिया कप के फाइनल में, खिताबी मुकाबला श्रीलंका से

शारजाह।

शीर्ष क्रम के बल्लेबाज शाइक राशिद (90) की शानदार बल्लेबाजी और गेंदबाजों की घातक गेंदबाजी की बदौलत भारत गुरुवार को यहां दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में पड़ोसी बंगलादेश को एकतरफा अंदाज में 103 रन से हरा कर एशिया अंडर-19 विश्व कप 2021 के फाइनल में पहुंचा, जहां शुक्रवार को उसका श्रीलंका से खिताबी मुकाबला होगा। श्रीलंका ने दुबई में खेले गए पहले सेमीफाइनल में 2012 संस्करण के संयुक्त विजेता पाकिस्तान को रोमांचक मुकाबले में 22 रन से हरा कर पांचवीं बार टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। भारत टॉस हार कर पहले बल्लेबाजी करने उतरा और अच्छी शुरुआत न मिलने और बड़ी साझेदारियां न होने के बावजूद शारजाह जैसी पिच बंगलादेश को 244 रन का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य दिया, जिसमें राशिद की नाबाद 90 रनों की पारी और निचले क्रम के बल्लेबाजों राजवर्धन हैंगरगेकर और विक्की ओस्तवाल की छोटी-छोटी आतिशी पारियों की अहम भूमिका रही। राशिद ने तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 108 गेंदों पर 90 रन की नाबाद पारी खेली, जबकि राजवर्धन और विक्की ने अंत में क्रमशः एक चौके और दो छक्के के सहारे सात गेंदों पर 16 और तीन चौकों की बदौलत 18 गेंदों पर 28 रन की छोटी तूफानी पारियां खेली। कप्तान यश धुल ने 26, राज बावा ने 23 और इनफॉर्म बल्लेबाज हरनूर सिंह ने 15 रन बनाए। बाद में भारतीय गेंदबाजों ने नपी-तुली और घातक गेंदबाजी की और बंगलादेशी बल्लेबाजों के लिए 244 के इस लक्ष्य को पहाड़ जैसा लक्ष्य बना दिया। राज बावा और रवि कुमार की तेज गेंदबाजी जोड़ी ने टीम को शुरुआत में सफलताएं दिलाईं। दोनों ने मिल कर पहले पावरप्ले (पहले 10 ओवर) में महज 50 रन खर्च करते हुए बंगलादेश के चार विकेट चटकाए।

बल्ले के साथ योगदान देने के बाद राजवर्धन और विक्की ने गेंदबाजी में मोर्चा संभाला और मध्य क्रम और निचले क्रम को चलता किया। जहां एक तरफ लगातार अंतराल पर विकेट गिरते गए वहीं दूसरी ओर अरिफुल इस्लाम एक छोर पर टिके रहे और स्कोर आगे बढ़ाते रहे, लेकिन अंत में लेफ्ट आर्म स्पिनर निशांत सिंधु ने अपनी फिरकी में फंसाया और विकेटकीपर के हाथों स्टंप आउट करवा कर पवेलियन भेज दिया।

संक्षिप्त समाचार

नये साल में 90 मीटर से अधिक भाला फेंकना चाहते हैं नीरज

नई दिल्ली ।

ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भालाफेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा अब नये साल में 90 मीटर से अधिक दूरी का आंकड़ा पार करना चाहते हैं। नीरज इसी के साथ विश्व के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में शामिल हो जाएंगे। नीरज ने टोक्यो ओलंपिक में 87.58 मीटर का थ्रो फेंककर स्वर्ण पदक जीता था। नीरज का अब तक का सर्वश्रेष्ठ निजी प्रदर्शन 88.07 मीटर है। उन्होंने में कहा ,'' पदक एक बात है और दूरी अलग। 90 मीटर का थ्रो फेंकने से मेरा नाम विश्व के सर्वश्रेष्ठ भालाफेंक खिलाड़ियों में शामिल होगा।'' उन्होंने कहा ,'' मैं इसके करीब पहुंच गया हूं और जल्दी ही यह बाधा भी पार करूंगा पर इसको लेकर मेरे ऊपर किसी प्रकार का कोई दबाव नहीं है।''इस खिलाड़ी ने कहा ,'' अभी मैं दो मीटर दूर हूं। यह कम भी नहीं है पर असंभव भी नहीं क्योंकि मेरा अभ्यास अच्छा चल रहा है। मैं इसके बारे में ज्यादा नहीं सोचता पर यह ऐसी बाधा है तो मुझे इस साल पार करनी है।'' उन्होंने कहा,'' तकनीक में ज्यादा बदलाव की जरूरत नहीं है। मैं जो कर रहा हूं, उसी को बेहतर करूंगा। दमखम और रफ्तार पर काम करने से दूरी अपने आप संभव हो जाएगी।''वह आजकल अमेरिका में आफ सीजन अभ्यास कर रहे हैं। उनका लक्ष्य आने वाले समय में और बेहतर प्रदर्शन करना है।

सेंचुरियन में भारतीय टीम की ऐतिहासिक जीत पर क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ियों ने दी बधाई

नई दिल्ली। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर सहित पूर्व भारतीय क्रिकेटरों ने गुरुवार को सेंचुरियन में ऐतिहासिक जीत के लिए विराट कोहली की टीम की प्रशंसा की। साथ ही, उन्होंने कहा कि दुनिया में कहीं भी ये टीम टेस्ट मैच में 20 विकेट लेने की क्षमता रखती है। सेंचुरियन में खेले गए पहले टेस्ट में टीम इंडिया ने दक्षिण अफ्रीका को 113 रनों से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। यह सेंचुरियन में भारत की पहली ऐतिहासिक जीत है, जिसे काफी हद तक दक्षिण अफ्रीका के लिए एक किला माना जाता है। इस जीत के बाद तेंदुलकर ने ट्विटर पर लिखा, एक टीम द्वारा शानदार गेंदबाजी, जो दुनिया में कहीं भी एक टेस्ट मैच में 20 विकेट ले सकती है। टीम इंडिया को इस शानदार जीत के लिए बधाई। भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने भी टीम इंडिया को बधाई देते हुए कहा, ब्रिस्बेन, ओवल, लॉर्डस और अब सेंचुरियन में जीतने वाला पहला एशियाई राष्ट्र बनने पर पूरी टीम को बधाई। भारत के पूर्व बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण ने टीम इंडिया के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने ट्विटर पर लिखा, सिडनी में पहली शानदार जीत से वर्ष की शुरुआत फिर गाबा में एक अविश्वसनीय जीत के बाद, लॉर्डस की जीत विशेष थी और अब भारत ने सेंचुरियन में शानदार जीत के साथ वर्ष का अंत किया। इसके लिए टीम इंडिया को बधाई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने भी टीम की सराहना की और लिखा, बारिश के कारण एक दिन धुल जाने के बावजूद सेंचुरियन में शानदार जीत के लिए टीम इंडिया को बधाई।

साल 2021 में भी शतक नहीं लगा पाये विराट

नये साल में पोंटिंग का रिकार्ड तोड़ सकते हैं

सेंचुरियन ।

टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली के लिए साल 2021 भी अच्छा नहीं रहा। विराट पिछले दो साल से शतक नहीं लगा पाये हैं। विराट ने अंतिम बार नवंबर 2019 में बांग्लादेश के खिलाफ शतक लगाया था। उसके बाद से ही वह शतक के लिए तरस रहे हैं। विराट इसी कारण दो साल से ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग का 71 शतक का रिकार्ड भी नहीं तोड़ पाये हैं। विराट ने अबतक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 70 शतक लगाये हैं। वे साल 2020 के बाद 2021 में भी एक भी शतक नहीं लगा सके। अब नये साल में प्रशंसकों को उम्मीद है कि विराट अपना 71 वां शतक पूरा करेंगे। विराट दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट की दूसरी पारी में 18 रन बनाकर आउट हुए। यह उनकी साल 2021 की अंतिम पारी थी। इसमें वह 35 रन बना पाये थे। 70वें शतक के बाद से उन्हें 60 बार बल्लेबाजी का अवसर मिला है पर वह नाकाम रहे हैं।

वह 70 वें शतक के बाद से 14 टेस्ट की 25 पारियों में बल्लेबाजी करने उतरे। जिसमें उन्होंने 26 की औसत से 652 रन बनाए हैं। इसमें पांच अर्धशतक हैं। उनकी सबसे बड़ी पारी 74 रन रही है। इस दौरान उन्होंने एकदिवसीय की 15 पारियों में 43 की औसत से 649 रन बनाए हैं। जिसमें 8 अर्धशतक हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ 89 बेस्ट स्कोर रहा। वहीं टी20 की 20 पारियों में 60 की औसत से 777 रन बनाए हैं। कोहली करियर में सिर्फ तीसरी बार एक साल में कोई भी शतक नहीं लगा पाये हैं। इसके अलावा वह अपने पदार्पण वर्ष 2008 में भी शतक नहीं लगा पाये थे। साल 2017 और 2018 में सबसे अधिक 11-11 शतक लगाए थे।

बार्सिलोना की टीम के कोविड-19 से संक्रमित खिलाड़ियों की संख्या 10 पहुंची

बार्सिलोना । बार्सिलोना में कोविड-19 से संक्रमित खिलाड़ियों की संख्या 10 पर पहुंच गई है जिससे उसकी स्पेन में सर्दियों के दो सप्ताह के अवकाश के बाद लीग में वापसी की संभावनाओं को करारा झटका लगा है। बार्सिलोना ने कहा कि सर्जिनो डेस्ट, फिलिप कॉटिन्हो और अब्दे एज़लज़ौली वे तीन नये खिलाड़ी हैं जिन्हें कोविड-19 के लिए पॉजिटिव पाया गया है। ये तीनों अभी पृथकवास पर हैं और टीम के अनुसार उनका स्वास्थ्य अच्छा है। क्लब ने इस सप्ताह पहले ही घोषणा कर दी थी कि उस्मान डेम्बेले, सैमुअल उमेटी, गवी, जोर्डी अल्बा, एलेजांद्रो बाल्डे, क्लेमेंट लेंगलेट और दानी अल्वेस का परीक्षण पॉजिटिव आया है और उन्हें अलग थलग कर दिया गया है। बार्सिलोना को वापसी पर रविवार को मालोर्का से मैच खेलना है।

जामिया के छात्र ने नेशनल पैरा बैडमिंटन चैंपियनशिप में जीते दो कांस्य पदक

नई दिल्ली।

जामिया मिलिया इस्लामिया (जेएमआई) के हिंदी विभाग में पीएचडी के छात्र मुन्ना खालिद ने चौथी राष्ट्रीय पैरा बैडमिंटन चैंपियनशिप में दो कांस्य पदक हासिल किये हैं। खालिद ने एकल स्पर्धा में एक कांस्य पदक और सुरेश काडकी के साथ युगल स्पर्धा में दूसरा कांस्य पदक हासिल किया है। दरअसल ओडिशा के पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा इस चैंपियनशिप का आयोजन 24 से 26 दिसंबर, 2021 के बीच भुवनेश्वर में हुआ था। वहीं खालिद किसी भी राष्ट्रीय स्तर की पैरा बैडमिंटन चैंपियनशिप में पदक जीतने वाले दिल्ली के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। उनकी इस उपलब्धि के बाद जामिया की कुलपति प्रो. नजमा अख्तर ने खालिद को बधाई दी और उनके भविष्य के प्रयासों में सफलता की भी कामना की। खालिद ने पीएचडी से पहले जामिया से बीए (ऑनर्स) हिंदी, मास्टर ऑफ सोशल वर्क (एमएसडब्ल्यू) और एमए (हिंदी) कार्यक्रम भी किया है। इस मौके पर खालिद ने कहा कि, मैं बहुत खुश हूं और बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं, मुझे लोगों से इतना प्यार और सहयोग मिला। अब मेरा सपना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पैरालंपिक में भारत के लिए पदक जीतने का है।

हमारे बल्लेबाजों ने हमें निराश किया: कप्तान एल्गर

सेंचुरियन।

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान डीन एल्गर ने कहा कि भारतीय सलामी बल्लेबाज केएल राहुल और मयंक अग्रवाल का बेहतरीन बल्लेबाजी करना भारत के लिए सुपरस्पोर्ट पार्क में गुरुवार को यहां पहला टेस्ट जीतने के लिए महत्वपूर्ण था। उन्होंने आगे कहा कि उनकी टीम के बल्लेबाजों ने खराब प्रदर्शन से निराश किया है। हार के बाद एल्गर ने कहा, भारतीय सलामी बल्लेबाजों ने शुरुआत में बेहतर बल्लेबाजी की, जिससे हमारे तेज गेंदबाज उनके सामने विफल हो गए। लेकिन बाद में हमारे गेंदबाजों ने बेहतर प्रदर्शन किया। दोनों टीमों के बीच अंतर के बारे में बात करते हुए एल्गर ने बताया, हमारे बल्लेबाजों ने हमें निराश किया। मैं कहूंगा कि बल्लेबाजी दोनों पक्षों के बीच का अंतर था। हम अपने प्रदर्शन पर प्रबंधन से बातचीत करेंगे। लेकिन हमारे गेंदबाजों ने बेहतर किया और हमने दबाव में भी बेहतर करने की कोशिश की। उन्होंने 20 विकेट लेने के लिए कड़ी मेहनत करने वाले अपने गेंदबाजों की सराहना की। उन्होंने कहा, नई गेंद से आप हमेशा बेहतर करते हैं। ऐसे ही हमारे गेंदबाजों ने 20 विकेट लेने के लिए जो मेहनत की है। वह काबिले तारीफ है। 34 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, सेंचुरियन में अपना पहला ही टेस्ट मैच हारना अच्छा नहीं होता। निश्चित रूप से यह अच्छी बात नहीं है कि हम यहां एक टेस्ट हार गए हैं। कुछ चीजें गलत कीं। लेकिन बहुत सारी चीजें सकारात्मक भी रही हैं जिनका हम अगले दो मैचों में उपयोग कर सकते हैं।

ऑस्ट्रेलिया में अल्पाइन स्की महिला विश्वकप स्लेलोम रेस में स्लोवाकिया की पैट्रा विलहोवा विजेता रही। वहीं दूसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया की कैथरीना व तीसरे स्थान पर स्विटजरलैंड की मिसेली रहीं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ओमिक्रॉन संक्रमण ने वैज्ञानिकों को उलझाया

कोरोना के नए वेरिएंट ओमीक्रोन को लेकर वैज्ञानिक अभी भी उलझन में हैं, क्योंकि इसकी भयावहता को लेकर अलग-अलग दावे किए जा रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका में जहां इसका प्रकोप सबसे ज्यादा रहा है, वहां किए गए एक अध्ययन में दावा किया गया है कि इसके संक्रमण के मामले हल्के हैं तथा पूर्व के संक्रमणों की तुलना में अस्पताल में भर्ती किए जाने की जरूरत कम पड़ रही है। नेचर में प्रकाशित रिपोर्ट के हवाले से कहा गया है कि ओमीक्रोन संक्रमण में पूर्व की तुलना में अस्पताल में भर्ती किए जाने की दर 29 फीसदी कम है। यह दावा एक स्वास्थ्य बीमा कराने वाली एजेंसी के आंकड़ों को आधार बनाकर किया गया है। लेकिन इसी रिपोर्ट में डेनमार्क के आंकड़ों का जिक्र किया गया है, जिसमें दावा है कि ओमीक्रोन एवं डेल्टा पीड़ितों के अस्पताल में भर्ती होने की दर में अंतर नहीं दिखता है। ब्रिटेन में भी ओमीक्रोन के मामले बढ़ रहे हैं तथा कुल मामलों में अभी तीन फीसदी मामले डेल्टा के पाए जा रहे हैं। लेकिन इस बीच इंपीरियल कालेज लंदन ने कहा कि ओमीक्रोन संक्रमितों के अस्पताल में भर्ती होने की दर डेल्टा की तुलना में कम नहीं प्रतीत होती है। एडिनबर्ग यूनिवर्सिटी के एपिडेमोलाजिस्ट मार्क वुलहाउस ने कहा कि अभी यह आंकड़े बेहद सीमित दायरे के हैं। इसलिए किसी अंतिम नतीजे पर नहीं पहुंचा जा सकता है तथा इसके आधार पर कोई नीतिगत निर्णय नहीं लिया जा सकता है। नई दिल्ली स्थित वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज के कम्युनिटी मेडिसिन के निदेशक प्रोफेसर जुगल किशोर कहते हैं कि अस्पताल में कितने ओमीक्रोन पीड़ित भर्ती हुए या नहीं इससे कोई नतीजा नहीं निकलता है। क्योंकि किसी देश में मध्यम लक्षणों वाले को अस्पताल में भर्ती करने की नीति है तो कहीं सिर्फ गंभीर मरीजों को ही भर्ती किया जाता है। यह उस देश की स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता पर भी निर्भर करता है।

डेढ़ से दो दिन में केस दोगुने हो रहे

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोरोना का नए वेरिएंट ओमीक्रोन को लेकर बड़ी जानकारी दी। संगठन का कहना है कि डेढ़ से दो दिन में ओमीक्रोन के मामले दोगुने हो रहे हैं। जो चिंताजनक है। हालांकि, डब्ल्यूएचओ ने एक बार फिर कहा कि अभी भी इस बात के पर्याप्त सबूत नहीं हैं कि कोरोना वैक्सीन ओमीक्रोन के खिलाफ कितनी असरदार है। डब्ल्यूएचओ ने कहा है कि ओमीक्रोन उन देशों में डेल्टा वेरिएंट के मुकाबले अधिक तेजी से फैल रहा है जहां कम्यूनिटी ट्रांसमिशन दर्ज किया जा चुका है। वहां भी यह तेजी से बढ़ा है जहां बड़ी संख्या में लोग इम्यूनिटी हासिल कर चुके हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो जहां बड़ी आबादी को टीका लग चुका है। भारत भी उन देशों में शामिल है।

क्या होता है आंखों का लकवा

कई बार सेहत के प्रति लापरवाही बरतने या फिर जागरुकता की कमी की वजह से व्यक्ति को गंभीर रोगों का शिकार होना पड़ता है। ऐसा ही एक रोग है आंखों का लकवा। ऑक्यूलर पैरालिसिस आंखों से जुड़ी ऐसी गंभीर बीमारी है जिसकी अनदेखी करने पर व्यक्ति की नजर पूरी तरह प्रभावित हो जाती है। आइए जानते हैं आखिर क्या है यह रोग, इसके लक्षण और बचाव के तरीके।

क्या है आंखों का लकवा

ऑक्यूलर पैरालिसिस को हिंदी भाषा में आंखों का लकवा कहते हैं। यह एक ऐसी बीमारी है, जिसमें आंखों की पुतलियों का चलना-हिलना बंद हो जाता है। जिसकी वजह से व्यक्ति को देखने में परेशानी होने लगती है। दरअसल हर व्यक्ति की आंखों में 6 एक्स्ट्राऑक्युलर मसल्स होते हैं। जिसमें से 4 रेक्टाइ और 2 ऑबलिक मसल्स होते हैं। एक्स्ट्राऑक्युलर मसल्स की मदद से ही व्यक्ति अपनी आंखों को दाएं-बाएं, ऊपर-नीचे हिला पाता है। यदि किसी कारण इन एक्स्ट्राऑक्युलर मसल्स में आंशिक रूप से लकवा हो जाए तो फिर आइबॉल का मूवमेंट प्रभावित हो जाता है और व्यक्ति चाहते हुए भी अपनी आइबॉल को गति में नहीं ला पाता है। इसी स्थिति को आंखों का लकवा कहा जाता है।

आंखों के लकवा के लक्षण

- आंखों में तेज दर्द के साथ आंखें लाल होना और आंखों से लगातार पानी बहते रहना।
- आंखों की पुतलियों का अचानक से एक ही दिशा में बने रहना या पलकें नीचे गिर जाना।
- डबल विजन जिसमें व्यक्ति को एक वस्तु दो दिखाई देती है।
- मरीज का जी मिचलाना और चक्कर आना।

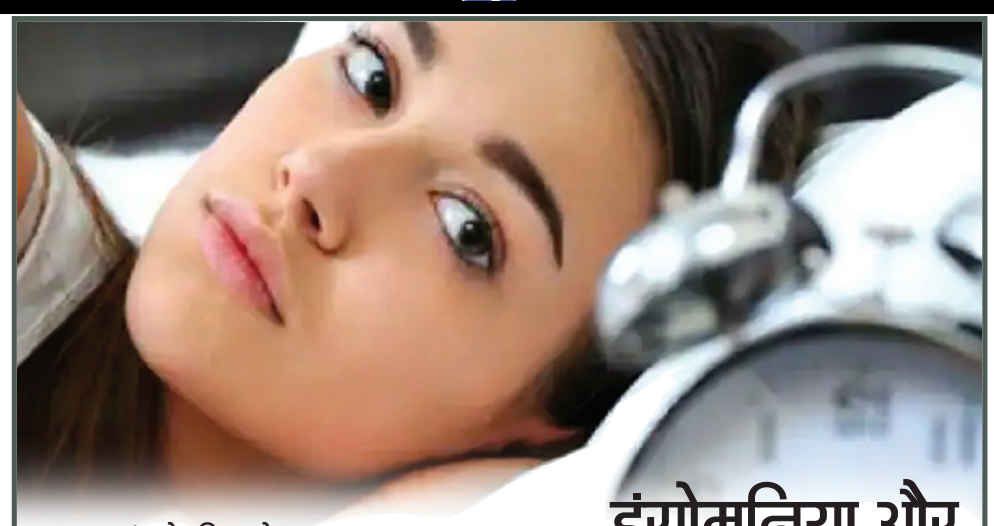

इंसोमनिया और ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया का कॉकटेल है कॉस्मिया

क्या आप 'इंसोमनिया' के साथ-साथ 'ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया' से भी जूझ रहे हैं? अगर हां तो संभल जाइए। 'यूरोपियन रेस्पिरेटरी जर्नल' में छपे एक ऑस्ट्रेलियाई अध्ययन में 'इंसोमनिया' और 'ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया' के कॉकटेल यानी 'कॉस्मिया' को ज्यादा घातक करार दिया गया है। शोधकर्ताओं ने इसका सामना करने वाले लोगों में हृदयरोगों से मौत का खतरा कई गुना ज्यादा पाया है।

सबसे आम बीमारियां

विशेषज्ञों के मुताबिक 'इंसोमनिया' और 'ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया' नींद से जुड़ी सबसे आम बीमारियां हैं। वैश्विक स्तर पर 10 से 30 फीसदी आबादी के इनके शिकार होने का अनुमान है। बड़ी संख्या में ऐसे पीड़ित भी मौजूद हैं, जिन्हें दोनों की शिकायत होती है।

क्या हैं प्रमुख लक्षण

फ्लिंडर्स यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने बताया कि 'इंसोमनिया' में व्यक्ति को सोने में दिक्कत, बार-बार नींद टूटने और जल्द आंख खुलने की शिकायत सताती है। वहीं, 'ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया' में खर्राटे, गला चोक होने और सांस लेने में तकलीफ की समस्या आम है।

हाइपरटेंशन का जोखिम

डॉ.बेस्टियन लेचत के नेतृत्व में शोधकर्ताओं ने नींद की बीमारियों से जूझ रहे 5000 से अधिक मरीजों के स्वास्थ्य डाटा का विश्लेषण किया। इस दौरान 'कॉस्मिया' के शिकार लोगों में हाइपरटेंशन (उच्च रक्तचाप) का खतरा दोगुना मिला। उनमें हृदयरोगों की आशंका भी 70 फीसदी ज्यादा पाई गई।

असामयिक मौत का खतरा

कॉस्मिया' से पीड़ित लोगों के वक्त से पहले मौत का शिकार होने का जोखिम भी 47 फीसदी अधिक दर्ज किया गया है। चूंकि, 'इंसोमनिया' और 'ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया' का कॉकटेल ज्यादा जानलेवा है, इसलिए एक का सामना कर रहे मरीज में दूसरे के लक्षणों पर भी गौर फरमाना जरूरी है।

ठंड में दही के साथ खाएं थोड़ी सी किशमिश मिलेंगे बेमिसाल फायदे

इसमें कोई दो राय नहीं है कि ठंड के दिनों में खाने के लिए कुछ खास नहीं होता है। अन्य मौसम के मुकाबले ठंड में कई सारी चीजें होती है जो आपको स्वस्थ भी रहती है और संक्रमण से भी बचाती है। हालांकि ठंड में पानी कम पीते हैं जिससे डाइजेशन की समस्या हो जाती है साथ ही ठंड में दही नहीं खाने की सलाह दी जाती है। ऐसे में डाइजेशन के लिए सबसे बेहतर विकल्प बंद हो जाता है। लेकिन आप किशमिश के साथ दही का सेवन करेंगे तो वो बेहद फायदेमंद होगा।

किशमिश में भरपूर मात्रा में आयरन, पोटेशियम, मैग्नीशियम होता है। वहीं दही में कैल्शियम, प्रोटीन, विटामिन, आयरन, विटामिन बी6, विटामिन बी 12 जैसे जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं। इन दोनों चीजों को साथ में खाने से भरपूर पोषण मिलता है। तो आइए जानते हैं दही और किशमिश को साथ में खाने के फायदे

इम्युनिटी

दोनों को मिक्स कर खाने से इम्युनिटी मजबूत होती है। इसमें भरपूर एंटीऑक्सीडेंट रहता है। जिससे संक्रमण की चपेट में आने से बच जाते हैं।

पाचन क्रिया को करें दुरस्त

ठंड में आपकी पाचन क्रिया कमजोर नहीं होती है दरअसल, पानी नहीं पीने से प्रभावित होती है। जिससे भोजन पूरी तरह से डाइजेस्ट नहीं हो पाता है। और पेट खराब हो जाता है। इसलिए ठंड के मौसम में प्यास नहीं लगने पर भी पानी पीते रहना चाहिए।

त्वचा को निखारे

अगर आप चेहरे को निखारने के लिए चेहरे पर कुछ न कुछ लगाती है लेकिन निखार नहीं आता है तो दही और किशमिश खाएं। इसका सेवन करने से चेहरे का ग्लो बढ़ेगा स्किन सॉफ्ट और स्मूथ बनेगी।

एनर्जी बढ़ाए

जी हां, इसका सेवन करने से एनर्जी लेवल बढ़ेग। दरअसल, दही आपके इम्यूनिटी बढ़ाता है। वहीं दाख ठंड के मौसम का ही है। जब आपक मौसमी चीजें खाते हैं तो आपका रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। और जब इम्युनिटी स्ट्रांग होती है तो किसी संक्रमण की चपेट में जल्दी नहीं आते और जल्दी ठीक हो जाते हैं।

उषा पान करने के चमत्कारिक फायदे

उषा पान का आयुर्वेदिक ग्रंथों में उल्लेख मिलता है। हमारे ऋषि-मुनि और प्राचीनकाल के लोग उषा पान करके सेहतमंद बने रहते थे। परंतु आधुनिक युग में व्यक्ति यह सबकुछ भूल गया है। क्या आपको पता है कि उषा पान क्या होता और क्या आपको यह भी पता है कि उषापान करने के क्या फायदे हैं। यदि नहीं तो जानिए कि यह क्या होता है।

उषा पान क्या होता है?

हिन्दू धर्मानुसार दिन-रात मिलाकर 24 घंटे में आठ प्रहर होते हैं। औसतन एक प्रहर तीन घंटे या साढ़े सात घटी का होता है जिसमें दो मुहूर्त होते हैं। एक प्रहर एक घटी 24 मिनट की होती है। दिन के चार और रात के चार मिलाकर कुल आठ प्रहर।आठ प्रहर के नाम : दिन के चार प्रहर- 1पूर्वान्ह, 2मध्यान्ह, 3अपरान्ह और 4सायंकाल। रात के चार प्रहर- 5 प्रदोष, 6निशिथ, 7त्रियामा एवं 8उषा। इसमें से जो उषा काल है उस दौरान उठकर पानी पीने को ही उषा पान कहते हैं। परंतु आजकल लोग ऐसा नहीं करते क्योंकि लोगों की दिनचर्या बदल गई है और वे सुबह जल्दी नहीं उठ पाते हैं। ऐसे में जब वे देर रात को खाना खाते हैं तो उस दौरान पानी पी लेते हैं और फिर उन्हें उषा काल में पानी की प्यास नहीं लगती है। यदि लगती भी है तो वे नींद के आलस के मारे उठकर पानी नहीं पीते हैं।

उषा पान के 10 फायदे

- रात के चौथे प्रहर को उषा काल कहते हैं। रात के 3 बजे से सुबह के 6 बजे के बीच के समय को रात का अंतिम प्रहर भी कहते हैं। यह प्रहर शुद्ध रूप से सात्विक होता है। इस प्रहर में जल की गुणवत्ता बिल्कुल बदल जाती है। इसीलिए यह जल शरीर के लिए बहुत ही फायदेमंद होगा है।
- शरीर की जैविक घड़ी के अनुसार इस समय में फेफड़े क्रियाशील रहते हैं। यदि हम इस काल में उठकर गुनगुना पानी पीकर थोड़ा खुली हवा में घूमते या प्राणायाम करते हैं तो फेफड़ों की कार्यक्षमता बढ़ती है, क्योंकि इस दौरान उन्हें शुद्ध और ताजी वायु मिलती है।
- यदि ऐसा करते हैं तो जब प्रात : 5 से 7 बजे के बीच हमारी बड़ी आंत क्रियाशील रहती है तब इस बीच मल त्यागने में किसी भी प्रकार की कोई परेशानी नहीं होती है। जो व्यक्ति इस वक्त सोते रहते हैं और मल त्याग नहीं करते हैं उनकी आंतें मल में से त्याज्य द्रवांश का शोषण कर मल को सुखा देती हैं। इससे कब्ज तथा कई अन्य रोग उत्पन्न होते हैं।
- 'काकचण्डीश्वर कल्पतन्त्र' नामक आयुर्वेदीय ग्रन्थ के अनुसार रात के पहले प्रहर में पानी पीना विषतुल्य, मध्य रात्रि में पिया गया पानी दूध सामान और प्रात : काल (सूर्योदय से पहले उषा काल में) पिया गया जल मां के दूध के समान लाभप्रद कहा गया हैं।
- आयुर्वेदीय ग्रन्थ 'योग रत्नाकर' के अनुसार जो मनुष्य सूर्य उदय होने के निकट समय में आठ प्रसर (प्रसृत) मात्रा में जल पीता हैं, वह रोग और बुढ़ापे से मुक्त होकर 100 वर्ष से भी अधिक जीवित रहता हैं।
- उषापान करने से कब्ज, अत्यधिक एसिडिटी और डाइस्पेसिया जैसे रोगों को खत्म करने में लाभ मिलता है।
- उषापान करने वाले की त्वचा भी साफ और सुंदर बनी रहती है।
- प्रतिदिन उषापान करने से किडनी स्वस्थ बनी रहती है।
- प्रतिदिन उषापान करने से आपको वजन कम करने में भी लाभ मिलता है।
- उषापान करने से पाचन तंत्र दुरुस्त होता है।

खास बातें

- तांबे के लोटे में पीए पानी। रात में तांबे के बरतन में रखा पानी सुबह पीएं तो अधिक लाभ होता है।
- वात, पित्त, कफ, हिचकी संबंधी कोई गंभीर रोग हो तो पानी ना पीएं।
- अल्सर जैसे कोई रोग हो तो भी पानी ना पीएं।

मध्य रात्रि में दूध तथा सूर्योदय से ठीक पहले किया गया उषा पान अमृत समान

गंदगी को शरीर से बाहर निकाल फेंकने के लिए उषा पान जैसा अस्त्र भारतीय परम्परा की ही देन हैं, जो भारतीय महाऋषियों के शरीर विषयक सूक्ष्म एवं विषद अध्ययन की खूबसूरत अभिव्यक्ति हैं.कहा जाता है की उनकी इस खोज ने अच्छे-अच्छे व्यक्ति को आज फिट बना के रखा है.

बर्तन का महत्व

लोहे के बर्तन में रखा हुआ दूध और ताम्बे के बर्तन में रखा हुआ पानी पीने वाले को कभी यकृत (लिवर) और रक्त (ब्लड) सम्बन्धी रोग नहीं होते और उसका रक्त हमेशा शुद्ध बना रहता हैं.उषा पान के लिए पिया जाने वाला जल ताम्बे के बर्तन में रात भर रखा जाए, तो उस से और भी स्वस्थ्य लाभ प्राप्त हो सकेंगे.जल से भरा ताम्बे का बर्तन सीधे भूमि के संपर्क में नहीं रखना चाहिए, अपितु इसको लकड़ी के टुकड़े पर रखना चाहिए. और पानी हमेशा नीचे उकडू (घुटनो के बल - उत्कर आसान) बैठ कर पीना चाहिए.ऐसे लोग जिन्हे यूरिक एसिड बढे होने की शिकायत हैं, उनके लिए तो सुबह उषा पान करना किसी रामबाण औषधि से कम नहीं.

प्रात : काल रात्रि के अंतिम प्रहार में पिया जाने वाल जल दूध इत्यादि को आयुर्वेद एवं भारतीय धर्म शास्त्रो में उषा पान शब्द से संबोधित किया गया हैं.सुप्रसिद्ध आयुर्वेदीय ग्रन्थ 'योग रत्नाकर' सूर्य उदय होने के निकट समय में जो मनुष्य आठ प्रसर (प्रसृत) मात्रा में जल पीता हैं, वह रोग और बुढ़ापे से मुक्त होकर सौ वर्ष से भी अधिक जीवित रहता हैं.

उषा पान कब करना चाहिए

प्रात : काल बिस्तर से उठ कर बिना मुख प्रक्षालन (कुल्ला इत्यादि) किये हुए ही पानी पीना चाहिए.कुल्ला करने के बाद पिए जाने वाले पानी से सम्पूर्ण लाभ नहीं मिल पाता.ध्यान रहे पानी मल मूत्र त्याग के भी पहले पीना हैं.

जल की नैसर्गिक शक्ति

जल में एक नैसर्गिक विद्युत होती हैं, जो रोगो का विनाश करने में समर्थ होती हैं.इसलिए जल के विविध प्रयोगो से शरीर के सूक्ष्म अति सूक्ष्म, ज्ञान तंतुओ के चक्र पर अनूठा प्रभाव पड़ता हैं, जिस से शरीर के मूल भाग मस्तिष्क की शक्ति एवं क्रियाशीलता में चमत्कारिक बढ़ोतरी होती हैं.

पाकिस्तान में घरेलू गैस की किल्लत से हाहाकार, खाना बनाने तक के लिए संघर्ष कर रहे लोग

इस्लामाबादः पाकिस्तान में घरेलू गैस की किल्लत से हाहाकार मची हुई है। लोगों को खाना बनाने तक के लिए गैस की आपूर्ति नहीं हो रही है । टर्किश रेडियो एंड टेलीविजन (टीआरटी) के अनुसार पाकिस्तान में गैस की कमी के चलते लोगों को खाना बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। गैस किल्लत की मौजूदा स्थिति को

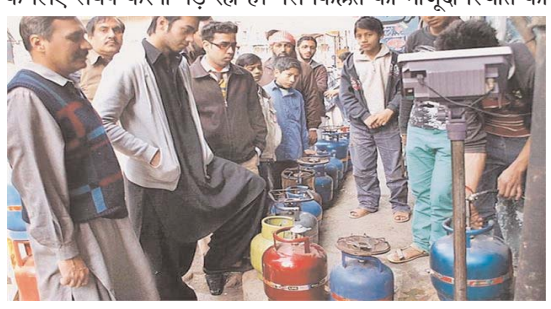

देखते हुए पाक प्रधानमंत्री इमरान खान ने बुधवार को एक उच्च स्तरीय बैठक की । प्रधानमंत्री कार्यालय ने ट्वीट कर बताया कि 'पीएम @ImranKhanPTI ने पाकिस्तान में गैस की स्थिति की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में घरेलू भंडार से मांग और आपूर्ति, प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की कमी और आयात के बारे में जानकारी दी गई।' रिपोर्ट के मुताबिक, बैठक में इमरान खान ने अधिकारियों को घरेलू अन्वेषण के लिए लाइसेंस फास्ट-ट्रैक करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने इसे प्राकृतिक गैस का सबसे सस्ता स्रोत बताया है। साथ ही उन्होंने संबंधित विभागों से नए एलएनजी प्लांट और वर्चुअल पाइपलाइन परियोजनाओं की प्रक्रिया में आ रही परेशानियों को जल्द दूर करने के निर्देश दिए हैं।

नवाज के लौटने की खबर पर पाक गृह मंत्री ने फिर कसा तंज, बोले- उनके लिए ऑफर आज भी

इस्लामाबादः पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की संभावित वापसी की अफवाहों के बीच, पाकिस्तान के गृह मंत्री शेख रशीद अहमद ने कहा कि शरीफ के लौटने की बातें बेमतलब की हैं जो विपक्ष मीडिया का ध्यान आकर्षित करने के लिए कर रहा है। रावलपिंडी में रशीद ने मीडिया से व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि शरीफ के लिए पाकिस्तान लौटने का एक तरफ का टिकट देने का उनका प्रस्ताव आज भी है। एक अदालत ने शरीफ को भ्रष्टाचार के मामले में जेल की सजा सुनाई थी जिसके बाद लाहौर उच्च न्यायालय ने

2019 में उन्हें चिकित्सकीय आधार पर चार सप्ताह के लिए लंदन जाने की इजाजत दी थी। हालांकि, लंदन जाने के बाद से शरीफ पाकिस्तान नहीं लौटे हैं। उनकी पार्टी का कहना है की डॉक्टरों द्वारा सलाह देने पर 71 वर्षीय शरीफ देश वापस लौटेंगे। गृह मंत्री ने कहा, 'शरीफ के वापस आने को बेवजह तूल दिया जा रहा है।' उन्होंने यह भी कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिन लोगों ने अपनी ज्यादातर जिंदगी पाकिस्तान में गुजारी वह देश को प्यार करने की बजाय उसे छोड़कर चले गए।

पाकिस्तान के वजीरिस्तान में विस्फोटों में 3 सुरक्षाकर्मियों सहित 5 की मौत, 2 घायल

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हुए दो विस्फोटों में तीन सुरक्षाकर्मियों सहित 5 लोगों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मंगलवार देर रात एक इंप्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस के फटने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। खबर के मुताबिक धमाका उत्तरी वजीरिस्तान जिले में हुआ। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मिराली तहसील के मामाखेल क्षेत्र में एक ट्यूबवेल के पास अज्ञात बदमाशों ने विस्फोटक रखा था। आईईडी में धमाके के साथ विस्फोट हुआ जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई। दो अन्य घायलों को बन्नू जिले के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इससे पहले पाकिस्तान के उत्तरी वजीरिस्तान के अली तहसील में हुए एक विस्फोट में तीन सुरक्षाकर्मियों और एक नागरिक की मौत हो गई। सूत्रों ने कहा कि सुरक्षा बलों के एक काफिले पर रिमोट नियंत्रित विस्फोट से हमला किया गया, जिसमें तीन सैनिक और एक नागरिक घायल हो गया। पता चला है कि संदिग्ध आतंकवादियों ने सड़क के किनारे विस्फोटक उपकरण रखा था, जो इलाके से गुजरने वाले सुरक्षा बलों के काफिले को निशाना बनाने वाला था।

संयुक्त राष्ट्र में भारतीय राजदूत तिरुमूर्ति बोले-

पीएम ने पहली बार UNSC में बैठक की अध्यक्षता की, यह भारत के लिए गर्व की बात

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र में भारतीय राजदूत टीएस तिरुमूर्ति ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अब तक भारत की मौजूदगी का मुख्य आकर्षण अगस्त में अध्यक्षता करने की रही है। भारत के प्रधानमंत्री ने पहली बार हस्ष्ट की एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। यह भारत और भारतीयों के लिए गर्व और सम्मान की बात है। इसके अलावा तिरुमूर्ति ने कहा कि अफगानिस्तान पर संकल्प 2593 को हमारी अध्यक्षता में स्वीकार किया गया था। यह संकल्प पर इस बात का समर्थन करता है कि अफगानिस्तान की धरती का

इस्तेमाल अन्य देशों के खिलाफ आतंकवाद के लिए नहीं किया जाएगा और काबुल के अधिकारी आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई करने में पीछे नहीं हटेंगे।

पिछले हफ्ते संयुक्त राष्ट्र में भारतीय राजदूत टीएस तिरुमूर्ति ने कहा कि फिलिस्तीनी और इजराइल की सुरक्षा की चिंताओं को केवल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बातचीत के माध्यम से ही सुलझाया जा सकता है।

रक्षा सौदा: पाकिस्तान ने चीन से खरीदे 25 जे-10सी लड़ाकू विमान, हर तरह के मौसम में उड़ान भरने में सक्षम

संयुक्त राष्ट्र। भारत का सबसे बड़ा दुश्मन पाकिस्तान अब अपनी सेना को मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। भारत के राफेल लड़ाकू विमानों के खरीदे जाने के बाद अब पाकिस्तान ने भी चीन से 25 जे-10सी लड़ाकू विमान खरीदे हैं जो हर तरह के मौसम में उड़ान भरने में सक्षम हैं।

चीन के सर्वश्रेष्ठ लड़ाकू विमानों में से एक

पाकिस्तान के गृह मंत्री शेख राशिद अहमद ने बुधवार को यह जानकारी दी कि जे-10सी के 25 विमानों का एक पूरा बेड़ा अगले साल 23 मार्च को पाकिस्तान दिवस समारोह में हिस्सा लेगा। जे-10सी को चीन के सर्वश्रेष्ठ लड़ाकू विमानों में से एक माना जाता है।

पाकिस्तान के पास अमेरिका के एफ-16 लड़ाकू विमान

पाकिस्तान के पास पहले से ही अमेरिका में बने एफ-16 श्रेणी के लड़ाकू विमानों का एक बेड़ा मौजूद है। वहीं चीन अपने बेहद विश्वसनीय लड़ाकू विमानों में से एक जे-10सी को पाकिस्तान को देने के बाद एक बड़ा सहयोगी बन गया है।

चीन के 25 जे-10सी लड़ाकू विमान भारत के राफेल का जवाब

गृह मंत्री शेख राशिद अहमद ने कहा कि पाकिस्तान में पहली बार 23 मार्च के समारोह में

शामिल होने के लिए वीआईपी मेहमान आ रहे हैं। जे-10सी का फ्लाई पास्ट समारोह आयोजित किया जा रहा है। पाकिस्तान वायुसेना चीन के जेएस का फ्लाई-पास्ट करने जा रही है। उनहोंने कहा कि चीन के 25 जे-10सी लड़ाकू विमान भारत के राफेल का जवाब हैं।

पाबंदी: पाकिस्तानी विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राओं के जींस-टीशर्ट पहनने पर प्रतिबंध

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब में कृषि विश्वविद्यालय फैसलाबाद छात्र-छात्राओं के पहनावे व रहन-सहन पर पाबंदियां लगाई हैं। टोबा टेक सिंह स्थित सब-कैंपस में लड़कों को स्किनफिट मल्टी पॉकेट, फेडेड या कटी-फटी जींस, ट्राउजर के चप्पल और संदेश लिखें टी-शर्ट पहने से रोक दिया। वे पोनी टेल व लंबे बाल भी नहीं रखेंगे। लड़कियों को इन पाबंदियों के साथ बालियां, स्लीपर, ब्रेसलेट आदि न पहनने के लिए कहा है।

कुछ माह पहले भी फेडरल डायरेक्टरेट ऑफ एजुकेशन (एफबीई) ने इसी प्रकार के प्रतिबंधों की घोषणा की थी। आदेश में कहा कि लड़कियां जींस के साथ स्लीक्लैस टीशर्ट व शर्ट, हल्की पारदर्शिता वाले या स्किन टाइट परिधान, चमकदार आभूषण, पायल न पहनें। उन्हें हैवी मेकअप भी नहीं करने के लिए कहा

है। शिक्षण संस्थानों पर नियंत्रण करने वाले एफडीई ने इससे पहले दिए आदेश में शिक्षिकाओं से कहा था कि वे जींस व टाइट कपड़े न पहनें। पुरुषों को जींस, टीशर्ट से रोका था। बाल कटवाने, दाढ़ी ट्रिम करने, नाखून काटने जैसे निर्देश भी दिए थे। विश्वविद्यालय से पहले खैबर पख्तूनख्वा के दो विश्वविद्यालय ने भी सख्त ड्रेस कोड लागू किया था।

पंजाब के टोबा टेक सिंह स्थित कृषि विद्यालय में विद्यार्थियों के पहनावे व रहन-सहन पर बंदिशें

लड़के : मल्टी पॉकेट फेडेड या फटी जींस व ट्राउजर, कैप, चप्पल व संदेश लिखे टी-शर्ट पहनने से रोका।

लड़कियां: जींस, स्लीवलैस टीशर्ट, शर्ट हल्के पारदर्शी स्किन टाइट परिधान, चमकदार आभूषण, बालियां, ब्रेसलेट, पायल, मेकअप भी प्रतिबंधित।

पाकिस्तान में बिजली गैस के लिए प्रदर्शन

बिजली और गैस की कटौती से जूझ रहे पाकिस्तान के लक्की शहर में बड़ी संख्या में नकाबपोश महिलाओं ने विरोध प्रदर्शन किया दर्शन के अनुसार महिलाओं ने बछ्रू से मियांवाली जोड़ने वाली सड़क पर जाम लगा दिया। बिजली और गैस की किल्लत के नारे लिखी तख्तियां थी। महिलाओं ने बताया बिजली की समस्या बढ़ा दी हैं।

किसानों का खाद के लिए विरोध प्रदर्शन

द डॉन की खबर के अनुसार, खाद विक्रेताओं की हड़ताल से यूरिया न मिलने से परेशान पीरमहल के किसानों प्रदर्शन करते हुए फैसलाबाद मुल्तान हाईवे और रेलवे क्रॉसिंग पर जाम लगा दिया इससे हाइवे पर 1 घंटे तक ट्रैफिक बंद रहा। किसानों ने कहा कि सरकारी मूल्य पर खाद भेजना भरोसा दिलाया गया था लेकिन घंटों बाद भी नहीं मिली। किसानों ने खाद की तहत कीमत पर उपलब्ध कराने का आश्वासन के बाद धरना खत्म किया।

लोकतंत्र समर्थकों पर चीन की कार्रवाई, 'स्टैंड न्यूज' वेबसाइट बंद, 7 मीडियाकर्मी गिरफ्तार

हांगकांग। लोकतंत्र समर्थकों पर चीन की दमनात्मक कार्रवाई जारी है। ताजा मामले में लोकतंत्र समर्थित 'स्टैंड न्यूज' नामक वेबसाइट के कार्यालय पर छापेमारी के बाद उसे बंद कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि स्टैंड न्यूज एक पूर्व संपादक तथा एक मौजूदा संपादक समेत कुल सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है जिनमें चार महिलाएं भी हैं। साथ ही संस्थान से जुड़ी संपत्तियों को भी जब्त कर लिया। पुलिस के अनुसार उनके आवासों पर भी तलाशी ली जा रही है। गिरफ्तार किए गए अधिकारियों में मुख्य संपादक चुंग पुई-कुएन और पैट्रिक लैम, गायक एवं कार्यकर्ता डेनिस हो और पूर्व सांसद मार्गरेट नगो भी शामिल हैं।

'साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट' की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रशासन का दावा है कि यह कार्रवाई 'राजद्रोह और उकसावे' संबंधी सामग्री प्रकाशित करने के आरोप में की गई है। पुलिस के मुख्य सचिव जॉन ली ने बुधवार दोपहर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि पत्रकारिता को हथियार बनाकर सुरक्षा के खिलाफ नहीं इस्तेमाल किया जा सकता।

उन्होंने कहा, राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वाले व्यवहार के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' की नीति लागू होगी। पुलिस ने

बताया कि छापेमारी के दौरान करीब 200 से अधिक पुलिसकर्मी मौजूद थे। इसके उप संपादक, रॉनसन चैन के घर पर भी छापेमारी की जा रही है। डेनिस हो दरअसल बोर्ड के पूर्व सदस्य हैं। बोर्ड के अन्य सदस्य मार्गरेट एनजी, क्रिस्टीन फांग और चाउ टाट-ची को भी गिरफ्तार किया गया है। कार्रवाई से पहले 'स्टैंड न्यूज' ने अपने फेसबुक पेज पर एक लाइव प्रसारण किया। इसमें बताया कि पुलिस डिप्टी असाइनमेंट संपादक रॉनसन चैन के घर के बाहर दरवाजे पर खड़ी है। इस वीडियो में अधिकारी यह कहते देखे गए कि उनके पास घर की तलाशी का वारंट है। चर्चित एपल डेली के बाद स्टैंड न्यूज हांगकांग की दूसरी ऐसी लोकतंत्र समर्थित मीडिया कंपनी है जिसे निशाना बनाया गया है। इसी साल जून में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत एपल डेली की संपत्ति को फ्री कर दिया गया था। इसके बाग इसे बंद करना पड़ा।

आईएसआई के नए प्रमुख का अधिकारियों को निर्देश, मीडिया में न जारी करें मेरी तस्वीरें-वीडियो रिकॉर्डिंग

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के नवनियुक्त अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल नदीम अंजुम ने पाकिस्तानी अधिकारियों को निर्देश दिया है कि उनकी तस्वीरें और वीडियो रिकॉर्डिंग मीडिया में जारी न करें।

यह जानकारी बुधवार को एक स्थानीय मीडिया रिपोर्ट में दी गई। देश के नागरिक और सैन्य नेतृत्व के बीच लंबे गतिरोध के बाद पिछले महीने अंजुम को आईएसआई का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था।

अंजुम ने लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद की जगह ली है। इस साल अगस्त में तालिबान की ओर से अफगानिस्तान में तख्तापलट करने के दौरान फैज हमीद का एक वीडियो वायरल हो गया था। इस वीडियो में वह काबुल में एक रिपोर्टर से बात करते नजर आए थे। अंजुम के इस निर्देश को लेकर पाकिस्तानी सेना और आईएसआई के पूर्व अधिकारियों ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है और उनके इस फैसले के प्रति समर्थन व्यक्त किया है।

हुई बैठक की तस्वीरों में नहीं दिखे थे आईएसआई प्रमुख

वहीं, एक उच्च स्तरीय बैठक में पाकिस्तान की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति ने देश की पहली राष्ट्रीय

सुरक्षा नीति को अनुमति दी थी। इस बैठक में आईएसआई के महानिदेशक भी शामिल हुए थे। न्यूज इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान सरकार ने इस बैठक की तस्वीरें और वीडियो रिकॉर्डिंग जारी की थीं। इन तस्वीरों में सभी शीर्ष पदाधिकारियों को देखा जा सकता है लेकिन आईएसआई के प्रमुख इनमें कहीं नहीं दिखे। रिपोर्ट के अनुसार एक मंत्री ने बताया है कि आईएसआई प्रमुख ने सरकारी अधिकारियों को अपनी तस्वीरें और वीडियो फुटेज मीडिया में न जारी करने का निर्देश दिया है। वहीं, सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल अमजद शोएब ने कहा कि खुफिया सेवाओं का मूल सिद्धांत यही है कि मीडिया से दूर रहे और गुमनामी बरकरार रखे। हालांकि, उन्होंने कहा कि ऐसी कई घटनाएं हुई हैं जिनमें सरकारी अधिकारियों ने इस सिद्धांत का उल्लंघन किया है। इसके अलावा पूर्व में आईएसआई में सेवा दे चुके सेवानिवृत्त मेजर जनरल एजाज अवान ने इसे लेकर कहा कि आईएसआई के नए प्रमुख मीडिया की सुर्खियों में आए बिना काम करने का तरीका जारी रखना चाहते हैं।

जलवायु परिवर्तन का असरः अमेरिका के जंगलों की आग से लेकर भारत में भीषण बाढ़ तक, 2021 में हर महीने दिखीं बड़ी आपदाएं

वॉशिंगटन/बीजिंग। साल 2021 खत्म होने की कगार पर है। कोरोनावायरस महामारी की वजह से 2021 को 2020 से भी खतरनाक करार दिया जाता है। इस वैश्विक महामारी को मानव इतिहास की सबसे बड़ी आपदाओं में भी गिना जाए तो गलत नहीं होगा। हालांकि, कुछ और आपदाओं ने भी लोगों की समस्याओं को बढ़ाने का काम किया। दुनिया में शायद ही कोई ऐसा देश हो, जहां जलवायु परिवर्तन के असर से कोई भयानक आपदा न आई हो।

वैज्ञानिकों का कहना है कि जिस तेजी से दुनियाभर में जलवायु परिवर्तन की घटनाएं सामने आ रही हैं, उस लिहाज से आने वाले साल में धरती को और बुरी स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के पिछले 20 सालों के आंकड़ों पर गौर किया जाए तो सामने आता है कि इस दौरान कुल 7438 आपदाएं रिकॉर्ड की गईं। इनमें करीब 12 लाख से ज्यादा जानें चली गईं। अकेले चीन में ही 577 आपदाएं आईं, जबकि दूसरे नंबर पर अमेरिका का नाम है, जहां 467 आपदाएं रिकॉर्ड की गईं। भारत में पिछले 20 सालों में 321 आपदाएं दर्ज हुई हैं।

साल भर में क्या हुई बड़ी घटनाएं?

पृथ्वी के इसी बिगड़ते हालात से आगाह करने के लिए अमर उजाला आपको 2021 के हर महीने में जलवायु परिवर्तन की वजह से आई बड़ी आपदाओं के बारे में बता रहा है।

फरवरी- अमेरिका के सबसे गर्म राज्यों में से एक टेक्सास में जबरदस्त शीतलहर रिकॉर्ड हुई। इसमें 125 लोगों की मौत हुई। जबरदस्त ठंड के बीच लाखों लोगों को बिना बिजली के रहने को मजबूर होना पड़ा। वैज्ञानिकों को शुरुआत में यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि आखिर टेक्सास में मौसम अचानक क्यों बदला। हालांकि, अब यह सामने आया है कि आर्कटिक में गर्मी बढ़ने की वजह से दुनियाभर में मौसम पर अजीब प्रभाव पड़ रहा है।

मार्चः चीन की राजधानी बीजिंग में अचानक ही धूलभरे गुबार में सबकुछ ढक गया। आलम यह था कि यहां से उड़ने वाली सभी फ्लाइट्स को तुरंत रोकना पड़ा। वैज्ञानिकों ने इसे पूरे दशक की सबसे खराब आंधी करार दिया था।

अप्रैलः असम में 28 अप्रैल 2021 को 6.4 तीव्रता के भूकंप ने जबरदस्त तबाही मचाई। इस प्राकृति आपदा की वजह से दो मौतें हुईं, जबकि 12-13 लोग

गंभीर रूप से घायल भी हुए।

मईः भारत के लिए ये महीना काफी चुनौतीभरा रहा। इस महीने देश को दो-दो चक्रवाती तूफानों का सामना करना पड़ा। पहला चक्रवाती तूफान %ताउते% 14 मई 2020 को अरब सागर में आया था और इससे गुजरात बुरी तरह प्रबावित हुआ। ताउते की वजह से करीब 174 लोगों की जान गई, जबकि 80 लोग अब तक लापता हैं। इसके अलावा दो लाख लोगों को अपने घर छोड़कर कैंपों में रहना पड़ा।

दूसरा चक्रवाती तूफान 'यास' रहा, जिसने पश्चिम बंगाल को जबरदस्त नुकसान पहुंचाया। 23 मई 2021 को यास ओडिशा से टकराया और बंगाल से होता हुआ बांग्लादेश पहुंच गया। दोनों देशों में इसकी वजह से करीब 20 लोगों की मौत हुई।

जूनः अमेरिका और कनाडा में यह साल भयानक गर्मी का रहा। इस दौरान दोनों देशों में तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक गया। वैज्ञानिकों ने इसके पीछे जलवायु परिवर्तन को अहम वजह करार दिया था। भीषण गर्मी की वजह से दोनों देशों में सैकड़ों लोगों की जान गई थी। इतना ही नहीं अमेरिका में तो बिजली के तार तक गल गए थे और सड़कें टूटने लगीं। कई शहरों में इस दौरान कूलिंग सेंटर्स खोले गए, जहां लोगों को गर्मी से बचाने के इंतजाम किए गए थे।

इसी महीने अमेरिका भीषण सूखे का भी सामना कर रहा था। 2020 की शुरुआत में पानी की कमी से पैदा हुई स्थिति जून की भीषण गर्मी में और गंभीर हो गई। किसानों ने बचाव के लिए अपनी फसलों को छोड़ दिया। अधिकारियों ने भी हूवर बांध में पानी के रिकॉर्ड निचले स्तर पर जाने की वजह से आपातकाल का एलान कर दिया था।

जुलाईः 2021 का यह महीना भी दुनिया के लिए भारी साबित हुआ। भारत के महाराष्ट्र में बारिश का सीजन कई चुनौतियां लेकर आया। 22 जुलाई को राज्य में भारी बारिश हुई, जिससे शहरों में जलजमाव की स्थिति पैदा हो गई। वहीं कुछ और ग्रामीण क्षेत्रों में बाढ़ भी देखी गई। महाराष्ट्र में इस आपदा में 251 लोगों की मौत हुई, जबकि 100 लोग लापता थे। गोवा में भी जबरदस्त बारिश की वजह से दशकों में सबसे खराब बाढ़ रिकॉर्ड हुई।

उधर चीन के हेनान प्रांत में भी जबरदस्त बारिश और उसके चलते आई बाढ़ में 300 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। चीन के मौसम विबाग के मुताबिक, जुलाई के तीन दिनों में ही इतनी बारिश हुई, जितनी एक साल में होती है। इसका असर यह हुआ कि मेट्रो में सफर कर रहे यात्री भी पानी के बीच फंसे नजर आए।

इसके अलावा यूरोप के जर्मनी, बेल्जियम और नीदरलैंड्स में जबरदस्त बारिश से बाढ़ की स्थिति बनी रही। इन तीन देशों में 200 से ज्यादा की मौत हुई। वैज्ञानिकों का कहना था कि जलवायु परिवर्तन के चलते आने वाले समय में ऐसी घटनाओं के 20 फीसदी तक ज्यादा होने के आसार हैं।

जहां आधी दुनिया जुलाई में बारिश से प्रभावित थी, वहीं अमेरिका के कैलिफोर्निया और ओरेगॉन के जंगलों में लगीं दो बड़ी आग इन राज्यों के इतिहास की सबसे बड़ी वाइल्डफायर साबित हुईं। इसके अलावा दक्षिण अमेरिकी देश चिली ने इस दौरान ग्लोबल वॉर्मिंग के चलते दशकों लंबे सूखे का एक और साल देखा। ब्राजील के लिए भी यह साल सदी के सबसे सूखे वर्षों में रहे हैं

अगस्तः इस महीने मेडिटेरेनियम के तीन देश अल्जीरिया, ग्रीस और तुर्की जंगलों में लगी आग से जूझते दिखे। जहां ग्रीस में दो लोगों की मौत हो गई, तो वहीं अल्जीरिया में 65 की जान गई। उधर अगस्त के अंत तक एल्प्स की पहाड़ियों पर जमी बर्फ गर्म होते तापमान की वजह से पिघलना शुरू हो गई। बर्फ को बचाने के लिए स्विट्जरलैंड के रिसॉर्ट कर्मचारियों को माउंट टिटलिस पर कंबल तक डालते देखा गया था।

सितंबरः भारत के लिए ये चक्रवाती तूफान से जूझने का एक और महीना रहा। बंगाल की खाड़ी में उठा 'गुलाब' चक्रवात 24 सितंबर को रफ्तार पकड़ने के बाद 26 सितंबर को आंध्र प्रदेश से टकराया था। हालांकि, इसके बाद यह कमजोर पड़ता चला गया। सुरक्षा कारणों से करीब 56 हजार लोगों को कैंपों में ले जाया गया था।

भारत के अलावा अमेरिका में भी चक्रवाती तूफान ईडा ने तबाही मचाई। यह लूजियाना से टकराने के दौरान कैटेगरी 4 का तूफान था। इसकी चपेट में आकर लूजियाना में ही 100 लोगों की मौत हुई थी। आगे बढ़ने के बाद कई और जानें गईं। साथ ही पूरे देश में जबरदस्त बारिश की वजह से बाढ़ की स्थिति भी पैदा हुई।

नवंबरः भारत में नवंबर की शुरुआत ही एक आपदा के साथ हुई। एक नवंबर को तमिलनाडु में शुरू हुई जबरदस्त बारिश ने बाढ़ का रूप ले लिया। इसमें 41 लोगों की जान चली गई और 11 हजार लोग विस्थापित हो गए।

इसी दौरान दक्षिणी सूडान में 60 साल में सबसे खतरनाक बाढ़ देखी गई। इससे 7 लाख 80 हजार लोग प्रभावित हुए। यानी हर 14 में से एक नागरिक। जलवायु परिवर्तन की वजह से दक्षिणी सूडान में भारी बारिश लगातार तीन सालों से बाढ़ का रूप ले रही है। इसके अलावा कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में भी नवंबर में जबरदस्त बारिश ने तबाही मचाई। यह कनाडा के पूरे इतिहास में सबसे महंगी प्राकृतिक आपदा रही।

फिर कांपी धरती- इंडोनेशिया में तेज भूकंप के झटके हुए महसूस, रिक्टर स्केल पर 7. 3 रही तीव्रता

इंडोनेशिया। इंडोनेशिया में एक बार फिर भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। देश के तिमोर-लेस्ते प्रांत से करीब 113 किमी उत्तर पूर्व में कबुपाटेन मालुकु बरत दया में अत्यंत शक्तिशाली

भूकंप के झटके महसूस किए गए।भूकंप की तीव्रता 7.3 मापी गई है। तेज भूकंप आने से लोग डर के मारे घरों से बाहर निकल गए। प्रशासन ने इलाके में हाई अलर्ट जारी कर दिया है। हालांकि, अभी तक किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। यूरोपीय-भूमध्य भूकंपीय केंद्र (ईएमएससी) के अनुसार, भूकंप स्थानीय समयानुसार तड़के 3.25 बजे आया। बता दें कि इंडोनेशिया में आए दिन भूकंप के झटके महसूस किए जाते हैं।

सार समाचार

15 से 18 वर्ष आयु वर्ग के 357450 बच्चों को 3 जनवरी से लगेगी कोविड वैक्सीन

शिमला। कोविड टीकाकरण के लिए गठित राज्य कार्य बल समिति की बैठक आज यहां स्वास्थ्य सचिव अमिताभ अवस्थी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में 15 से 18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को कोविड टीकाकरण और 60 वर्ष या इससे अधिक आयु वर्ग के सहरूग्णता वाले लोगों को कोविड टीके की तीसरी एहतियातन खुराक देने की तैयारियों की समीक्षा की गई। अमिताभ अवस्थी ने कहा कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के निर्णय के अनुसार प्रदेश में 15 से 18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों का कोविड-19 टीकाकरण 3 जनवरी, 2022 से प्रारम्भ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नवीं से बाहरवीं कक्षा के 357450 लाभार्थियों को 2797 राजकीय पाठशालाओं में यह टीके लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस आयु वर्ग के लाभार्थियों को को-वैक्सीन दी जाएगी। इस आयु वर्ग के पात्र बच्चे कोविन पोर्टल पर स्वयं पंजीकरण कर टीके के लिए समय निर्धारित कर सकते हैं अथवा अपने मोबाइल नम्बर के माध्यम से नया खाता खोल सकते हैं। उन्होंने कहा कि समीपवर्ती राजकीय उच्च पाठशाला और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशालाओं में ऑनलाइन अथवा मौके पर ही टीके के लिए समय निर्धारण करने की सुविधा उपलब्ध रहेगी। उन्होंने कहा कि कोविड के दोनों टीके लगवा चुके स्वास्थ्य कार्यकताओं, फ्रंट लाईन वर्कर और सहरूग्णता वाली 60 वर्ष या इससे अधिक आयु वर्ग की पात्र आबादी को 10 जनवरी, 2022 से कोविड टीके की एहतियातन खुराक प्रदान की जाएगी। इसके लिए टीके की दूसरी खुराक लेने की तिथि से 39 सप्ताह अथवा 9 माह की अवधि पूर्ण कर चुके लोगों को प्राथमिकता प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस वर्ग में 96200 पात्र आबादी को एहतियातन खुराक दी जाएगी जिनमें 32663 स्वास्थ्य कार्यकर्ता, 61431 फ्रंट लाईन वर्कर और 60 वर्ष या इससे अधिक आयु की दूसरी खुराक ले चुकी सहरूग्णता वाले 10530 लोग शामिल हैं।

तीसरी लहर के खतरे के बीच दिल्ली-एनसीआर और यूपी में नए साल के जश्न पर पाबंदी, इस राज्य ने सेलिब्रेशन के लिए दी विशेष छूट

नई दिल्ली। ओमिक्रोन के खौफ के बीच देश में कोरोना वायरस की रफ्तार तेज हो गई है। कोरोना के दैनिक मामले दस हजार के पार पहुंच गए हैं वहीं ओमिक्रोन के मामले भी एक हजार के करीब पहुंच चुके हैं। कोरोना के बढ़ते मामलों ने देश में संक्रमण की तीसरी लहर का खतरा बढ़ा दिया है। देश में बढ़ते कोरोना की रफ्तार के बीच दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा और यूपी में नए साल के जश्न पर पाबंदी लगा दी है। लेकिन एक राज्य ऐसा भी है जिसने न्यू ईयर के सेलिब्रेशन के लिए लोगों को विशेष छूट प्रदान की है। ये राज्य है राजस्थान जहां प्रदेश सरकार की तरफ से कर्फ्यू में राहत दी गई है। गाइड लाइन में 31 दिसंबर की रात को जश्न मनाने के लिए छूट दी गई है।

नये साल पर कर्फ्यू में 2 घंटे की छूट

राजस्थान में सामान्य दिनों में रात 11 बजे से सुबह 5 बजे तक कर्फ्यू रहेगा। लेकिन नये साल की रात एक बजे तक कर्फ्यू में छूट रहेगी। इधर सरकार ने बढ़ते सक्रमण को देखते हुए शादी-समारोह में मेहमानों की संख्या 200 तक सीमित कर दी है। वहीं सिनेमा हॉल, मल्टीप्लेक्स ऑडिटोरियम 50 प्रतिशत क्षमता के साथ चल सकेंगे। वैक्सीन की अनिवार्यता भी नए साल के बाद रखी गई है। नए साल के बाद कॉलेज, सिनेमा और होटल में वैक्सीन की डबल डोज लगाने वालों को ही एंट्री मिलेगी।

कोरोना के मामले बढ़े

बता दें कि राजस्थान सरकार टूरिस्टों के प्रदेश में भारी तादाद में आने के बावजूद इस तरह की रिस्क ले रही है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पिछले पांच दिनों में जयपुर में 60 हजार टूरिस्ट आए हैं। वहीं अगर प्रदेश में कोरोना केस की बात करें तो कोरोना से संक्रमित मरीजों के रोजाना आंकड़े बढ़ रहे हैं। पिछले 7 दिनों के आंकड़ों की बात की जाए तो 5 गुना से भी ज्यादा संक्रमित मरीज मिल चुके हैं। जयपुर शहर में 1 सप्ताह के दौरान 237 कोरोना संक्रमित मरीज सामने आ चुके हैं।

नए विवाह कानून वाला बिल पास होने के डर से हड़बड़ी में मुस्लिम परिवार, हैदराबाद की मस्जिदों में निकाह के लिए लगी लंबी कतारें

नई दिल्ली। हैदराबाद के मस्जिदों में निकाह के लिए लंबी लाइन चल रही है। इसकी वजह है मोदी सरकार द्वारा लड़कियों की शादी की उम्र 21 साल करने के लिए कानून का लाया जाना। जिसकी वजह से मुस्लिम परिवार हड़बड़ी में दिख रहे हैं और कानून लागू होने से पहले निकाह कर लेना चाहते हैं। जल्दबाजी में किए गए इन समारोहों में शामिल सभी दुल्हनों की उम्र 18 से 20 साल के बीच है। अधिकांश की शादी 2022-2023 में किसी समय होनी थी, लेकिन बिल पास होने के डर ने उनके परिवारों को तब तक इंतजार नहीं करने के लिए मजबूर कर दिया है। सभी समुदायों पर लागू होने वाला यह बिल महिलाओं के लिए शादी की कानूनी उम्र 18 से बढ़ाकर 21 साल करता है।

जल्दबाजी में परिवार

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार 19 साल के एक बच्चे की मां समरुन्निसा ने कहा कि मेरी तीन बेटियाँ हैं। उनमें से एक विकलांग है। मैं उनमें से कम से कम एक की शादी करने के लिए और दो साल का इंतजार कैसे कर सकता हूं। उन्होंने अपनी बेटी को निकाह के लिए एक स्थानीय मस्जिद लेकर गई। बाबानगर निवासी ने कहा कि हमने 2022 के मध्य में समारोह आयोजित करने की योजना बनाई थी क्योंकि उसके पिता हाल ही में नौकरी की तलाश में श्रीलंका गए थे। हम उम्मीद कर रहे थे कि वह शादी की व्यवस्था करने के लिए कुछ पैसे लेकर वापस आएंगे। लेकिन जब हमने बिल के बारे में सुना, तो हमें जल्दबाजी दिखानी पड़ी।

विदाई अभी नहीं हो रही

अंग्रेजी अखबार टाइम्स ऑफ इंडिया ने ओल्ड सिटी में रहने वाले कम से कम आधा दर्जन परिवारों से बात की, जिन्होंने इसी कारण से अपनी बेटियों की शादी की तारीखों को आगे बढ़ाया है। हालांकि लगभग सभी मामलों में, वित्तीय कारणों से 'विदाई' को टाल दिया गया है। 2020 के लॉकडाउन के दौरान ड्राइवर की नौकरी गंवाने वाले रहमत अली का कहना है कि यह अनिवार्य है कि हम अपनी बेटी को कुछ फर्नीचर, सोना, कपड़े और नकदी के साथ उसके ससुराल भेज दें। लेकिन अभी, मैं परिवार के लिए भोजन कमाने के लिए भी संघर्ष कर रहा हूं।

ओमिक्रॉन ने फीका किया न्यू यार का जश्न, रात 10 बजे तक शहर में सभी पार्टियां होंगी बंद

वाराणसी। ओमिक्रॉन का खतरा इस बार नए साल की चमक को फीका कर देगा। इस बार युवाओं को रात में रोड पर घूमना महंगापड़ सकता है, जी हां, वाराणसी जिला प्रशासन के पुलिस कमिश्नरेट के तरफ से आदेश जारी किए गए है की, रात्रि दस बजे के बाद किसी भी क्लब, रेस्टोरेंट या होटल में कोई भी न्यू ईयर पार्टी नहीं मनेगी, और आदेश के उलंघन पर जुमार्ना लग सकता है। क्लब, रेस्टोरेंट की न्यू ईयर पार्टी के साथ ही आवासीय परिसर या अपार्टमेंट में भी न्यू ईयर के दिन दस बजे के बाद गाने और डीजे पर पाबंदी है। आदेश के सख्त पालन के लिए, सभी थानों को निर्देश दिए जा चुके है ाप्रदेश में नाइट कर्फ्यू लगने के बाद से ही ग्रामीण इलाकों में भी रात्रि दस बजे तक सभी दुकानें बंद कर दी जा रही है, और लोग अपने घरों में चले जा रहे है। अपर पुलिस आयुक्त अपराध व मुख्यालय सुभाष चंद्र दुबे ने मीडिया से मुखातिब हो बताया कि, शहर में रात्रि दस बजे तक सभी होटल, रेस्टोरेंट और क्लब बंद होने के आदेश है, जो 31 दिसंबर की रात भी लागू रहेंगे। उन्होंने शहरवासियों से अपील की कि, वह न्यू ईयर का जश्न अपने घरों में परिवारजनों के संग ही मनाए।

उत्तराखंड की धरती से पीएम मोदी का पूर्ववर्ती सरकारों पर हमला, बोले- विकास परियोजनाओं को 4 दशक तक लटकाया

हल्द्वानी। (एजेंसी)

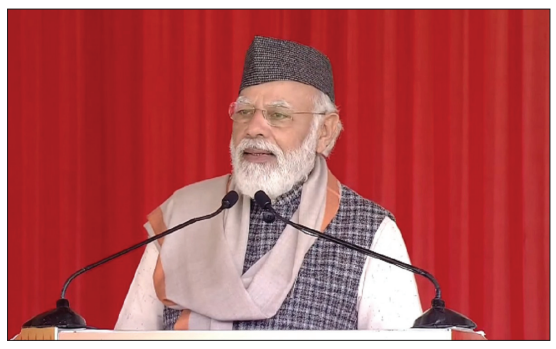

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तराखंड के हल्द्वानी में 17,500 करोड़ रुपए की 23 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि ये सभी परियोजनाएं कुमाऊं के सभी साथियों को बेहतर कनेक्टिविटी और बेहतर सुविधाएं देने वाले हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज कुमाऊं आने का सौभाग्य मिला तो कई पुरानी यादें ताजा हो गईं हैं। ये इतनी आत्मीयता से आपने जो उत्तराखंडी टोपी मुझे पहनाई गई है, वो उसे पहनकर मुझे गर्व का अनुभव हो रहा है। उन्होंने कहा कि मैं हल्द्वानीवालों के लिए एक और सौगात लेकर आया हूं। हल्द्वानी शहर के ओवरऑल इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए हम लगभग 2,000 करोड़ रुपए की योजना लेकर आ रहे हैं। अब हल्द्वानी में पानी, सीवरेज, सड़क, पार्किंग, स्ट्रीट लाइट सभी जगह पर अभूतपूर्व सुधार होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस दशक को उत्तराखंड का दशक बनाने के लिए तेज गति से ऐसे ही विकास कार्यों पर अनेक काम करने की जरूरत पर हमने जोर दिया है। उत्तराखंड में बढ़ रहे नए हाइड्रो प्रोजेक्ट्स, उत्तराखंड में बढ़ रही औद्योगिक क्षमता, इस दशक को उत्तराखंड का दशक बनाएगी। उन्होंने कहा कि पर्यटन क्षेत्र का हो रहा विकास पूरी दुनिया में योग के लिए बढ़ रहा आकर्षण उत्तराखंड की धरती पर ही खींच कर लाने वाला है। पर्यटकों के लिए बढ़ रही सुविधाएं, होम स्टे अभियान इस दशक को उत्तराखंड का दशक बनाकर रहने वाले हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हम हिमाचल की ताकत को जानते हैं और यह भी जानते हैं कि उत्तराखंड से कितनी ही नदियां निकलती हैं। आजादी के बाद से ही, यहां के लोगों ने दो धाराएं और देखी हैं। एक धारा है- पहाड़ को विकास से वंचित रखने की और दूसरी धारा है- पहाड़ के विकास के लिए दिन रात एक कर देने की। उन्होंने कहा कि आज हमारी सरकार सबका साथ, सबका विकास के मंत्र के साथ तेज गति से देश को नई ऊंचाई पर ले जाने में जुटी है। आज उधमसिंह नगर जिले में एम्स ऋषिकेश के सेटेलाइट केंद्र और पिथौरागढ़ में जगजीवन राम सरकारी मेडिकल कॉलेज की आधारशिला रखी गई है।

उन्होंने कहा कि आज उत्तराखंड के इस कार्यक्रम में करीब 9,000 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट सड़क निर्माण से जुड़े हैं। पीएम ग्राम सड़क योजना के तहत 1,200 किमी ग्रामीण सड़क बनाने का काम भी शुरू हुआ है। इन सड़कों के अलावा उत्तराखंड में 151 पुलों का निर्माण भी किया जाएगा।

इसी बीच प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्षियों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पहले सरकार में रहने वाले लोगों को आपकी चिंता होती तो क्या यह परियोजनाएं चार दशक तक लटकती क्या ? अगर उनका आपके प्रति प्यार था तो क्या काम की यह दुर्दशा होती क्या ? सच्चाई यही है कि पहले जो सरकार में थे उन्होंने उत्तराखंड के सामर्थ्य की कभी परवाह नहीं की। परिणाम यह हुआ कि हमें पर्याप्त बिजली नहीं मिली, किसानों के खेतों को सिंचाई नहीं मिली और देश के अधिकतर ग्रामीणों को पानी के अभाव में जीवन गुजरना पड़ा।

कश्मीर में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में पाकिस्तानी नागरिक समेत जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकवादी ढेर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में बुधवार को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच दो अलग-अलग मुठभेड़ों में एक पाकिस्तानी नागरिक समेत जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकवादी मारे गए जबकि एक पुलिसकर्मी घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम और अनंतनाग जिलों में यह मुठभेड़ हुई। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि आतंकियों की मौजूदगी के बारे में मिली खुफिया सूचना के आधार पर कुलगाम जिले के मीरहमा क्षेत्र में सुरक्षा बलों द्वारा घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया गया और इस दौरान आतंकियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ हुई। अधिकारी ने कहा कि तलाशी अभियान के दौरान छिपे हुए आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी की। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की, जिसके साथ मुठभेड़ शुरू हो गयी।

इस मुठभेड़ में तीन आतंकवादी मारे गए। कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक विजय कुमार ने कहा कि मुठभेड़ में मारे गए आतंकवादी जैश-ए-मोहम्मद के सदस्य थे। पुलिस महानिरीक्षक ने एक ट्वीट में कहा, इस मुठभेड़ में दो स्थानीय आतंकवादी जबकि एक पाकिस्तानी आतंकवादी मारा गया है। ये तीनों आतंकवादी जैश-ए-मोहम्मद के सदस्य थे। इनके पास से एक एम-4 जबकि दो एके-47 राइफलें भी बरामद की गयी हैं।

सुरक्षाबलों के लिए यह एक बड़ी कामयाबी है। दूसरी मुठभेड़ अनंतनाग जिले के दूरू के नौगांम शाहबाद में सुरक्षा बलों द्वारा घेराबंदी और तलाशी अभियान के दौरान हुई।

अयोध्या और काशी में भव्य निर्माण हो रहा है फिर मथुरा वृंदावन कैसे छूट जाएगा : योगी

अमरोहा (उत्तर प्रदेश) (एजेंसी)

अयोध्या में भव्य राम मंदिर और काशी में विश्वनाथ धाम का भव्य निर्माण शुरू कराने का श्रेय भारतीय जनता पार्टी की सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ऐसे में 'मथुरा वृंदावन कैसे छूट जाएगा।' मुख्यमंत्री ने बुधवार को दावा किया कि उनकी सरकार ने जो वादा किया उसे पूरा किया। उन्होंने कहा, हमने जो कहा, करके दिखाया। हमने कहा था अयोध्या में प्रभु राम का भव्य मंदिर का निर्माण कार्य प्रारंभ कराएंगे। (प्रधानमंत्री नरेंद्र) मोदी ने कार्य प्रारंभ करा दिया है, उससे आप सभी खुश हैं। अभी काशी में भगवान विश्वनाथ का धाम भी भव्य रुप में बन रहा है।' उन्होंने कहा, 'ऐसे में मथुरा वृंदावन कैसे छूट जाएगा। हमने ब्रज तीर्थ विकास परिषद गठित करके वहां पर भी विकास कार्यों को एक नई गति देनी प्रारंभ कर दी है। मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी (सपा) को कांवड़ यात्रा रोकने और दंगाइयों को बढ़ावा देने वाली पार्टी करार देते हुए आज कहा कि अयोध्या, काशी या मथुरा हो, भाजपा ने जो कहा वह काम पूरा किया। योगी अमरोहा में 43 करोड़ रुपए की 31 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की 'जन विश्वास यात्रा' के दौरान अपने संबोधन में सपा पर निशाना साधते हुए कहा, जो रामभक्तों पर गोली चलाते थे। जो कृष्ण जन्माष्टमी पर रोक लगाते थे। कांवड़ यात्रा पर रोक लगाते थे। इनसे आप कोई अच्छी उम्मीद करते हैं क्या। प्रदेश को तबाह करना इनकी नियति थी। योगी ने कहा कि उनकी सरकार ने आस्था का भी सम्मान किया है और जनता का विकास भी किया है। उन्होंने आरोप लगाया, 'सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और बसपा प्रमुख मायावती के लिए अपना परिवार ही प्रदेश था। कांग्रेस का तो कोई रहनुमा ही नहीं था। भाजपा के लिए प्रदेश की 25 करोड़ की आबादी ही परिवार है। उसने इस परिवार की खुशहाली को ध्यान में रखकर ही अपनी योजनाएं बनाई हैं।' योगी ने कहा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश को दंगाइयों से मुक्त कराने का वादा जो किया था वह हमने पूरा किया है। 2017 के पहले प्रदेश में अराजकता का माहौल था। कोई निवेश नहीं करना चाहता था, नौजवानों के सामने पहचान का संकट था, महिलाओं की सुरक्षा नहीं थी, दंगाइयों को रोका नहीं जाता था। अब समय बदला है। अब यहां दंगा नहीं गन्ना उगाया जा रहा है।

माउंट आबू का हो योजनाबद्ध विकास : गहलोत

जयपुर (एजेंसी)

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि माउंट आबू राजस्थान का एक मात्र पर्वतीय पर्यटक स्थल है और इसके योजनाबद्ध विकास के लिए पर्यटन विभाग और स्वायत्त शासन विभाग योजना बनाए, ताकि इस क्षेत्र को पर्यटकों के लिए अधिक सुविधाजनक और आकर्षक बनाया जा सके। उन्होंने निर्देश दिया कि माउंट आबू विकास समिति की बैठक नियमित रूप से आयोजित की जाए। गहलोत बुधवार को आबू पर्वत नगर पालिका के शरद महोत्सव-2021 के उद्घाटन तथा लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने माउंट आबू की प्रसिद्ध नक्की झील पर गांधी वाटिका में महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण तथा महात्मा गांधी पुस्तकालय का उद्घाटन किया। उन्होंने निर्देश दिए कि करीब तीस साल से मनाए जा रहे शरद महोत्सव को और भी आकर्षक एवं वृहद स्तर पर आयोजित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में पर्यटन और इससे जुड़ी गतिविधियों को बढ़ावा देना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इस दिशा में पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पर्यटन से बड़ी संख्या में लोगों की आजीविका जुड़ी हुई है। इसे देखते हुए राज्य सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से पर्यटन उद्योग को प्रोत्साहित कर रही है। गहलोत ने कहा कि राजस्थान को पर्यटन के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए पहली बार 500 करोड़ रुपए का पर्यटन विकास कोष बनाया गया है। इस कोष से पर्यटन स्थलों पर आधारभूत सुविधाओं के विकास, उनके संरक्षण तथा राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत ब्रांडिंग जैसे कार्य किए जाएंगे।

केजरीवाल ने सभी पार्षदों को दिलाई AAP नहीं छोड़ने की शपथ, बोले- चंडीगढ़ के लोगों ने दिल्ली को देखकर दिया वोट

चंडीगढ़। (एजेंसी)

दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने नगर निगम चुनाव में जीत का जश्न मनाने के लिए गुरुवार को विजय मार्च में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि जब से चंडीगढ़ के नतीजें आए हैं लोग कह रहे हैं कि दोनों पार्टियों को हराया जा सकता है। चंडीगढ़ के लोगों ने दिल्ली को देखकर वोट दिया। जैसे दिल्ली को देखकर और जगह वोट मिल रहा है। अब चंडीगढ़ में इतना अच्छा काम करना है कि चंडीगढ़ को देखकर देश की बाकी जनता हमें वोट दें। दिल्ली हमें पहला राज्य मिला था और चंडीगढ़ में पहली नगरपालिका मिली है। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ के एक-एक पार्षद के ऊपर हमारी जिम्मेदारी है। मैं सभी पार्षदों से कहना चाहता हूं कि चुनाव के समय राजनीति होती है और अब चुनाव खत्म हो गया है। हमें किसी के साथ भेदभाव नहीं करना है। कांग्रेस, भाजपा और अकाली दल वाले सभी अपने हैं और हमें सभी का काम करना है। उन्होंने कहा कि अकाली दल का कोई वोटर है या फिर भाजपा का उनका हमें ज्यादा काम करना है, ताकि अगली दफा वो हमें ही वोट दें। इसी बीच केजरीवाल ने सभी 14 पार्षदों को शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि मैं ईश्वर की कसम खाता हूं कि चंडीगढ़ के लोगों की तन, मन और धन से पूरी तरह सेवा करूंगा। जो विश्वास चंडीगढ़ के लोगों ने मुझपे किया है, उसे कभी टूटने नहीं दूंगा। मैं पूरी ईमानदारी से काम करूंगा, मैं कभी रिश्वत नहीं लूंगा, कोई गलत काम नहीं करूंगा और न ही किसी को गलत काम करने दूंगा। आम आदमी पार्टी मेरी मां के समान है और चंडीगढ़ के लोग मेरे परिवार के समान है। इसके साथ ही केजरीवाल ने पार्षदों को आम आदमी पार्टी छोड़कर नहीं जाने की शपथ भी दिलाई।

कोरोना में भी प्रदेश सरकार ने वित्तीय प्रबंधन बनाए रखा अच्छा: मुख्यमंत्री

चंडीगढ़ । (एजेंसी)

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि कोरोना के बावजूद हरियाणा सरकार ने अपना वित्तीय प्रबंधन अच्छे से बनाए रखा है। प्रदेश सरकार ने आर्थिक प्रबंधन की दृष्टि से आर्थिक स्थिति को ऊपर उठाने के लिए अलग से रणनीति बनाई। मुख्यमंत्री गुरुवार को दिल्ली में केंद्रीय वित्तमंत्री श्रीमति निर्मला सीतारमण से प्री-बजट बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय वित्तमंत्री ने सभी राज्यों के वित्त मंत्रियों को प्री-बजट की बैठक में सुझावों के लिए बुलाया था। हरियाणा सरकार ने उसने मांग की है कि जैसे नाबार्ड, ग्रामीण इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 2.75 प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण देता है, उसी तरह एनसीआर प्लॉनिंग बोर्ड के तहत भी 2.75 प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण दिया जाना चाहिए। ताकि एनसीआर के क्षेत्र में तेज गति से विकास हो सके। इसके साथ-साथ हरियाणा सरकार ने जीएसटी के लिए हाईब्रेड मॉडल बनाए जाने की मांग रखी है, जिसमें खपत के साथ-साथ उत्पादन शेयर भी सम्मलित किया जाए। इससे ज्यादा उत्पादन करने वाले राज्यों में रोजगार के अवसर को बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने हिसार में स्थित राखीगढ़ी के लिए अलग से बजट का प्रावधान करने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना में बड़ी संख्या में लोगों को मुद्रा स्कीम के माध्यम से ऋण मिल रहा है। इसमें ब्याज माफी की योजना बनाई जाए। एफपीओ के लिए ऋण की सीमा फिलहाल 2 करोड़ रुपये है, इसे बढ़ाना चाहिए, ताकि प्रदेश में बड़े फूड प्रोसेसिंग के प्रोजेक्ट लगाए जा सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एमएसएमई का विस्तार हो रहा है। केंद्रीय वित्तमंत्री से मांग की गई है कि एक्सपोर्ट के लिए सब्सिडी का निर्धारण किया जाए ताकि वे लोग भी एक्सपोर्ट कर सकें। इसके साथ-साथ कंटेनर भी उपलब्ध करवाए जाने चाहिए, ताकि बंदरगाहों तक आसानी से सामान भेजा जा सके। राज्यों को 50 वर्ष के लिए बिना ब्याज के दिए जाने वाले कैपिटल एक्सपैंस की राशि को बढ़ाए जाने की मांग भी की गई है। हरियाणा सरकार ने 5 हजार करोड़ रुपये दिए जाने की मांग रखी है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि हरियाणा सरकार किसानों की आय को बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत है। यह निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। किसानों को सब्सिडी दी जा रही है, उन्हें ऋण दिए जा रहे हैं, फसलों की खरीद समय पर हो रही है। 14 फसलों को हरियाणा सरकार एमएसपी पर खरीद रही है। लगभग 600 एफपीओ हरियाणा में खुल चुके हैं, इन्हें 1 हजार करने का लक्ष्य रखा गया है। प्रदेश में अभी तक 7 अत्याधुनिक एकीकृत पैक हाउस खोले जा चुके हैं, इनकी संख्या इस वर्ष में 50 तक किए जाने का लक्ष्य है। मशरूम फॉर्मिंग, मच्छली पालन, डेयरी फॉर्मिंग जैसे प्रोजेक्ट को सरकार लगातार बढ़ावा दे रही है।

भारत में ओमिक्रोन का कहर, इन राज्यों में बढ़ा केस; लॉकडाउन लगने के आसार

नई दिल्ली (एजेंसी)

भारत में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस के नए स्वरूप 'ओमीक्रोन' के 180 नए मामले सामने आने के बाद, देश में इस स्वरूप के मामले बढ़कर 961 हो गए। ये एक दिन में सामने आए ओमीक्रोन के सर्वाधिक मामले हैं। इनमें से 320 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं या अन्य स्थानों पर चले गए हैं। ये मामले 22 राज्यों तथा केन्द्र शासित प्रदेशों में सामने आए। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को बताया कि दिल्ली में सबसे अधिक 263 मामले सामने आए और इसके बाद महाराष्ट्र में 252, गुजरात में 97, राजस्थान में 69, केरल में 65 और तेलंगाना में 62 मामले सामने आए हैं। मंत्रालय की ओर से सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, भारत में एक दिन में कोविड-19 के 13,154 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 3,48,22,040 हो गई है। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 82,402 हो गई। 268 और संक्रमितों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 4,80,860 हो गई है। देश में 49 दिन बाद कोविड-19 के 13 हजार से अधिक दैनिक मामले सामने आए हैं। इससे पहले, 11 नवंबर को 24 घंटे में संक्रमण के 13,091 नए मामले सामने आए थे।

आंकड़ों के अनुसार, देश में लगातार 63 दिन से कोविड-19 के दैनिक मामले 15 हजार से कम हैं। उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 82,402 हो गई है, जो संक्रमण के कुल मामलों का 0.24 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटों में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 5,400 की वृद्धि दर्ज की गई है। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.38 प्रतिशत है। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, दैनिक संक्रमण दर 1.10 प्रतिशत दर्ज की गई, जो पिछले 87 दिन से दो प्रतिशत से कम है। साप्ताहिक संक्रमण दर 0.76 प्रतिशत दर्ज की गई, जो पिछले 46 दिन से एक प्रतिशत से कम है। देश में अभी तक कुल 3,42,58,778 लोग संक्रमणमुक्त हो चुके हैं और कोविड-19 से मृत्यु दर 1.38 प्रतिशत है। राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 143.83 करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी हैं। देश में पिछले साल सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितंबर को 40 लाख से अधिक हो गई थी। वहीं, संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर को 50 लाख, 28 सितंबर को 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख, 29 अक्टूबर को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर को ये मामले एक करोड़ के पार, इस साल चार मई को दो करोड़ के पार और 23 जून को तीन करोड़ के पार चले गए थे।

मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, देश में पिछले 24 घंटे में संक्रमण से मौत के जो 268 मामले सामने आए हैं, उनमें से 211 मामले केरल और 20 मामले महाराष्ट्र में सामने आए। आंकड़ों के अनुसार, देश में अभी तक कुल 4,80,860 लोगों की मौत संक्रमण से हुई है, जिनमें से महाराष्ट्र के 1,41,496, केरल के 47,277, कर्नाटक के 38,324, तमिलनाडु के 36,758, दिल्ली के 25,107, उत्तर प्रदेश के 22,915 और पश्चिम बंगाल के 19,745 लोग थे। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि अभी तक

जिन लोगों की कोरोना वायरस संक्रमण से मौत हुई है, उनमें से 70 प्रतिशत से ज्यादा मरीजों को अन्य बीमारियां भी थीं। मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर बताया कि उसके आंकड़ों का भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के आंकड़ों के साथ मिलान किया जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

पहला कॉलम

आज से 3 जनवरी तक पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और राजस्थान में भीषण शीत लहर की संभावना

नई दिल्ली ।

दिल्ली सहित कई राज्यों के मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। दिल्ली में गुरूवार सुबह से ही बादलों के साथ हल्की धूप नजर आ रही है।मौसम विभाग के अनुसार 31 दिसंबर से 3 जनवरी तक पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और राजस्थान में भीषण शीत लहर की स्थिति बने रहने की संभावना है। यह 31 दिसंबर से 2 जनवरी तक मध्य प्रदेश में और उत्तर प्रदेश अगले तीन दिनों तक प्रभावी रहेगा। आइएमडी की रिपोर्ट में अगले पांच दिनों में रात और सुबह के दौरान उत्तर प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में घने कोहरे का भी अनुमान है। अगले दो से तीन दिनों तक पूर्वी और उत्तर पूर्वी भारत पर भी घना कोहरा पड़ने की संभावना है। पंजाब, उत्तरी राजस्थान, हरियाणा और पश्चिमी उत्तरप्रदेश में न्यूनतम तापमान 2 से 6 डिग्री सेल्सियस के दायरे में रह सकता है। मौसम विभाग ने बताया कि पिछले 24 घंटों में हरियाणा, उत्तरी राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में न्यूनतम तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। अगले तीन दिनों के दौरान दक्षिणपूर्व प्रायद्वीपीय भारत में बारिश की भी भविष्यवाणी की गई है। 31 दिसंबर और 1 जनवरी को तटीय तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में और 1 जनवरी को दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। एक तीव्र पश्चिमी विक्षोभ 4 से 7 जनवरी के दौरान पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र को प्रभावित कर सकता है। 5 और 6 जनवरी को पहाड़ी क्षेत्रों में बारिश की संभावना जताई गई है। वहीं, 5 से 7 जनवरी के दौरान उत्तर पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में भी बारिश हो सकती है।

बेखौफ बदमाशों ने दिनदहाड़े भाजपा नेता को मारी गोली

नई दिल्ली ।

नालंदा के हिलता में बदमाशों ने दिनदहाड़े भाजपा नेता को गोली मार दी। नाजुक हालत में उन्हें पटना पीएमसीएच रेफर किया गया है। यह घटना गुरुवार सुबह घटित हुई। हिलसा शहर के वरुण कल चौराहा के समीप दारू डिपो के पास भाजपा कला एवं संस्कृति प्रकोष्ठ के जिला संयोजक संजय सागर को बदमाशों ने गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। ग्रामीणों के सहयोग से उन्हें इलाज के लिए हिलसा अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उनकी चिंताजनक स्थिति को देखते हुए डॉक्टर्स ने पटना पीएमसीएच रेफर कर दिया। फिलहाल इस घटना के बाद पूरे हिलसा बाजार में अफरा-तफरी का माहौल बना हुआ है। वहीं पुलिस मामले की जांच पड़ताल करने में जुटी है।

पुडुचेरी सरकार ने 3 जनवरी से 15 से 18 वर्ष के किशोरों का टीकाकरण करेगी

पुडुचेरी।

केन्द्रशासित प्रदेश पुडुचेरी सरकार ने 3 जनवरी से 15 से 18 वर्ष के किशोरों का टीकाकरण करवाने का निर्णय लिया है। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि केन्द्र सरकार ने आयु के लोगों को को-वैक्सीन लगाने की सहमति दे दी है।इस आयु के लोग कोविड टीकाकरण के लिए ऑनलाइन या ऑफलाइन पंजीकरण करा सकते हैं या फिर खुद ही कोविन एप डाउनलोड करके पंजीकरण कर सकते हैं। स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों, सार्वजनिक जगहों पर जाने वाले कार्यकर्ताओं, 60 वर्ष के अधिक आयु के लोगों और अस्वस्थ व्यक्तियों को 10 जनवरी से एहतियाती डोज दी जाएगी। यह लोग दूसरी डोज लेने की तारीख से नौ महीने बाद एहतियाती डोज ले सकते हैं और इसके लिए भी ऑनलाइन या ऑफलाइन दोनों तरीके से पंजीकरण करा सकते हैं।वहीं व्यक्तियों को कोविन एप के माध्यम से बूस्टर डोज वैक्सीन लगाने के लिए संदेश प्राप्त होगा और टीकाकरण प्रमाण पत्र में ही बूस्टर डोज पंजीकृत दिखाई देगा।

8 राज्यों में ओमिक्रॉन की रफ्तार तेज, दोगुने हुए केस, केंद्र ने लिखा पत्र

नई दिल्ली । देश में कोरोना वायरस के बदलते स्वरूप ओमिक्रॉन की बढ़ती रफ्तार ने सरकार की चिंताएं बढ़ा दी हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय हालात के मद्देनजर 6 राज्यों को चिट्ठी लिखी है। इनमें दिल्ली, महाराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात, तमिलनाडु और झारखंड का नाम शामिल है। खास बात है कि देश में ओमिक्रॉन वेरिएंट से संक्रमित मरीजों की संख्या 961 हो गई है। कोरोना के इस नए स्वरूप से दिल्ली सबसे ज्यादा प्रभावित है। आंकड़े बताते हैं कि भारत के कम से कम 8 राज्यों के कुछ शहरों में कोरोना वायरस संक्रमितों के आंकड़ो दोगुने हो रहे हैं। इनमें हरियाणा, दिल्ली, गुजरात, झारखंड, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, महाराष्ट्र, का नाम शामिल है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि दिल्ली में ओमिक्रॉन के सबसे अधिक 263 मामले सामने आए और इसके बाद महाराष्ट्र में 252, गुजरात में 97, राजस्थान में 69, केरल में 65 और तेलंगाना में 62 मामले सामने आए हैं। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने गुरुवार को कहा कि कोरोना वायरस के नए स्वरूप 'ओमीक्रोन' के मामले धीरे-धीरे सामुदायिक स्तर पर फैल रहे हैं और राष्ट्रीय राजधानी में जीनोम अनुक्रमण के लिए भेजे गए नमूनों में से 46 प्रतिशत में 'ओमीक्रोन' की पुष्टि हुई है। उन्होंने कहा कि 'ग्रेडेड रेस्पॉन्स एक्शन प्लान' (जीएआरपी) के तहत कुछ पाबंदियां लगाई गई हैं और अतिरिक्त पाबंदियां लगाने के संबंध में निर्णय दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) करेगा। जैन ने कहा, 'दिल्ली के अस्पतालों में कोविड-19 के 200 मरीज भर्ती हैं। जीनोम अनुक्रमण की हालिया रिपोर्ट में 46 प्रतिशत नमूनों में 'ओमिक्रोन' की पुष्टि हुई है। इनमें वे लोग भी शामिल हैं, जिन्होंने हाल ही में यात्रा नहीं की थी।

यह दशक उत्तारखंड कागौरवपूर्व दशक होने वाला है : मोदी

उत्तराखंड- विकास कार्यों के शिलान्यास संकल्प शिलाएं हैं, डबल इंजन की सरकार सिद्ध करके दिखाएगीः मोदी

कुमाऊं (एजेंसी) ।

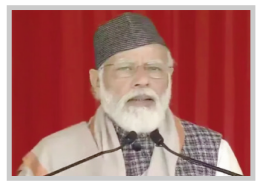

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तराखंड वासियों को 17,500 करोड़ रुपए से अधिक सौगाते दी है। पीएम ने गुरुवार को 6 परियोजनाओं का उद्घाटन और लखवाड़ बहुउद्देश्यीय परियोजना सहित 17 परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इस मौके पर उन्होंने उपस्थित जनसभा को संबोधित भी किया। उन्होंने कहा कि आज कुमाऊं आने का सौभाग्य मिला तो कई पुरानी यादें ताजा हो गई हैं। और ये इतनी आत्मीयता से आपने जो उत्तराखंडी टोपी मुझे पहनाई है, वो उसे पहनकर मुझे गर्व का अनुभव हो रहा है। अपने संबोधन के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने पूर्ववर्ती सरकार और उसकी नीतियों पर जबर्दस्त हमला किया। उन्होंने कहा कि ऐसा गुनाह और पाप करने वालों को भूल जाओगे क्या? कोई देश सोच नहीं सकता है कि 5 दशक तक एक योजना फाइलों में इधर-उधर लटकती रहे। मेरा 7 साल का अनुभव है कि ऐसी फाइलों को ढूंढ कर काम किया जाना चाहिए। मैं इसको ठीक करूंगा और आप उनको ठीक करिए, ठीक है?

पीएम ने कहा कि उत्तराखंड में टूरिज्म का विकास हो रहा है। पूरी दुनिया में योग की तरफ बढ़ रहा आकर्षण उत्तराखंड की तरफ ही खींच कर लाने वाला है। ये दशक उत्तराखंड का दशक बनाएंगे। ये दशक उत्तारखंड का गौरवपूर्व दशक होने वाला है। उत्तराखंड से कितनी ही नदियां निकलती हैं। पीएम ने तंज करते हुए कहा कि यहां के लोगो ने दो धाराएं और देखी हैं। एक धारा है पहाड़ को विकास से वंचित रखो और दूसरी है पहाड़ के विकास के लिए दिन-रात एक कर दो। पहली धारा वाले आप लोगों को विकास से वंचित रखने वाले हैं। हमेशा मेहनत से भागते रहे। सैकड़ों गांवों की कितनी पीढ़ियां अच्छी सुविधा के अभाव में प्यारा उत्तराखंड छोड़कर कहीं और जाकर बसीं। आज उत्तराखंड में विकास कार्यों के ये शिलान्यास महज शिला पत्थर नहीं है, ये वे संकल्प शिलाएं हैं, जो डबल इंजन की सरकार सिद्ध करके दिखाएगी।

यूपी में अब बाहुबली नहीं सिर्फ बजरंगबली दिखाई पड़ते हैं: अमित शाह

मुरादाबाद । उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी के अभियान को धार देने के लिए बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ताबड़तोड़ रैलियां कर रहे हैं। जनविश्वास यात्रा के तहत मुरादाबाद में रैली करते हुए शाह ने एक तरफ योगी सरकार के कामकाज की तारीफ की तो दूसरी तरफ विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। शाह ने योगी सरकार आने के बाद यूपी में कानून व्यवस्था को बेहतर बताते हुए कहा कि प्रदेश में अब बाहुबली नहीं, सिर्फ बजरंगबली दिखाई पड़ते हैं। अमित शाह ने 2017 से पहले यूपी में माफियाराज का आरोप लगाते हुए कहा, ''सपा सरकार में हर जनपद में जनता को बाहुबली परेशान करते थे। हमारी बहन-बेटियों को परेशान करते थे, जमीन छीन लेते थे। आज योगी जी की सरकार में कोई बाहुबली दिखाई नहीं पड़ता, केवल बजरंग बली दिखाई पड़ते हैं।''अखिलेश यादव के 'जिन्ना बयान' पर निशाना साधते हुए बीजेपी नेता ने कहा, ''जब चुनाव आता है तो अखिलेश जी को बाबू कल्याण सिंह याद नहीं आते, बल्कि उनकों जिन्ना याद आता है। आप मुझे बताइए कि क्या आप जिन्ना का महिमामंडन करने वालों को वोट देंगे शाह ने कहा, ''ये सपा वाले गरीब को घर दे सकते हैं क्या?, गरीबों को पांच लाख की दवाई दे सकते हैं क्या?, बिजली दे सकते हैं क्या?, गरीबों को शौचालय दे सकते हैं क्या? अगर कोई कर सकता है तो मोदी जी कर सकते हैं।''

33 दिनों बाद भारत में 10 हजार से ज्यादा मामले

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

भारत में पिछले सप्ताह औसतन 8,000 से अधिक मामले प्रति दिन दर्ज किए गए। ये जानकारी केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने दी। गुरुवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने बताया कि कुल मिलाकर मामलों की पॉजिटिविटी रेट 0.92% है। उन्होंने बताया कि 26 दिसंबर से, देश में रोजाना 10,000 मामले सामने आ रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि मिजोरम के 6 जिलों, अरुणाचल प्रदेश के एक जिले, पश्चिम बंगाल के कोलकाता सहित 8 जिलों में 10% से अधिक की साप्ताहिक पॉजिटिविटी रेट नोट की जा रही है। उन्होंने कहा कि 14 जिलों में साप्ताहिक मामले की पॉजिटिविटी रेट 5-10% के बीच है। मंत्रालय का कहना है कि भारत में 33 दिनों के बाद कोविड-19 के एक दिन में 10 हजार से ज्यादा मामले सामने आए हैं, मामलों में तेजी से वृद्धि के मद्देनजर सतर्कता बढ़ाने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि साप्ताहिक कोविड-19 मामलों और संक्रमण दर के आधार पर महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, दिल्ली, कर्नाटक, गुजरात चिंता वाले राज्य/केंद्र शासित प्रदेश बनकर उभर रहे हैं।

मंत्रालय ने कहा कि केरल, महाराष्ट्र, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु ऐसे पांच राज्य हैं जहां सबसे अधिक सक्रिय कोविड मामले हैं। भारत में आठ जिले 10% से अधिक साप्ताहिक संक्रमण दर रिपोर्ट कर रहे हैं। इनमें से छह मिजोरम में, 1 अरुणाचल प्रदेश में और 1 पश्चिम बंगाल (कोलकाता) में है। मंत्रालय ने बताया कि भारत में कोरोना वायरस के ओमिक्रॉन वैरिएंट के 961 मामले हैं, जिनमें से 320 मरीज ठीक हो चुके हैं।

नगालैंड में अफस्पा को छह माह और बढ़ा, कांग्रेस ने सरकार पर किया हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्र की मोदी सरकार ने नगालैंड में अफस्पा को छह माह और बढ़ा दिया है,इसके बाद कांग्रेस ने गुरुवार को सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि उसकी 'सत्ता की लालसा' ने पूर्वोत्तर को उग्रवाद और अराजकता के रसातल में भेज दिया है। कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा,मोदी सरकार ने अभी तक शांतिपूर्ण पूर्वोत्तर को अराजकता, उग्रवाद की खाई में धकेल दिया है।बात दें कि केंद्र ने पूरे राज्य को 'अशांत क्षेत्र' घोषित करते हुए नागालैंड में सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (अफस्पा) को अगले साल 30 जून तक बढ़ा दिया। यह अधिनियम सुरक्षा बलों को बिना किसी पूर्व वारंट के अभियान चलाने और किसी को भी गिरफ्तार करने का अधिकार देता है। अगर वे किसी को गोली मारते हैं,तब यह बलों को प्रतिरक्षा भी देता है। इस महीने की शुरूआत में मोन जिले में सेना की इकाई द्वारा 14 नागरिकों को विद्रोही समझकर मरने के बाद से नागालैंड के कई जिलों में अफस्पा को वापस लेने के लिए विरोध प्रदर्शनों के बीच यह कदम उठाया गया है। 23 दिसंबर को, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने नागालैंड में वर्तमान परिदृश्य पर चर्चा करने के लिए नागालैंड, असम के मुख्यमंत्रियों और राज्यों और मंत्रालय के अन्य अधिकारियों के साथ बैठक कर अफस्पा को वापस लेने पर विचार करने के लिए समिति बनाने का निर्णय लिया। समिति को 45 दिनों में अपनी रिपोर्ट देनी थी। नागालैंड विधानसभा ने हाल ही में अधिनियम को हटाने के लिए एक सर्वसम्मत प्रस्ताव पारित किया है और यह उम्मीद की जा रही थी कि केंद्र स्थानीय लोगों के बीच भारी आक्रोश को देखते हुए सीमावर्ती क्षेत्रों में अफस्पा के अधिकार क्षेत्र को सीमित कर सकता है।

यूपी विधानसभा चुनाव में इस बार मतदान एक घंटे अधिक होंगे - चुनाव आयोग

मुरादाबाद (एजेंसी)।

चुनाव आयोग ने कोरोना संकट के फिर से उभरने की वजह से उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव में निर्धारित समय से एक घंटा अधिक मतदान कराने सहित अन्य अहम फैसले किए हैं। देश के मुख्य निर्वाचन आयुक्त सुशील चंद्रा ने राज्य में चुनावी तैयारियों की तीन दिन तक चली समीक्षा के बाद गुरुवार को संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कोरोना के खतरे को ध्यान में रखते हुये आयोग ने निर्णय लिया है कि मतदान की अवधि को एक घंटे के लिए बढ़ा दिया जाए। सुशील चंद्रा की अगुवाई में आयोग के 13 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने उत्तर प्रदेश के तीन दिवसीय समीक्षा दौरे में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के अलावा विभिन्न जांच एजेंसियों सहित निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े अन्य पक्षकारों के साथ कई दौर की बैठकों के बाद यह जानकारी दी। आयोग के प्रतिनिधि मंडल में देश के दोनों निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार और डॉ. अनूप चंद्र पांडेय तथा चुनाव आयोग के महासचिव उमेश सन्हा के अलावा अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। चंद्रा ने बताया कि उत्तर प्रदेश में विधानसभा का कार्यकाल अगले साल 14 मई को समाप्त हो रहा है। राज्य में कुल 403 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 317 सामान्य, 84 अनुसूचित जातियों तथा 02 अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। इन सभी सीटों पर विधानसभा का कार्यकाल समाप्त होने से पहले चुनाव कराए जाने हैं। उन्होंने बताया कि बैठक में शामिल हुए सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने कोरोना प्रोटोकॉल का पालन सुनश्चिति कराते हुए समय से चुनाव संपन्न कराने की मांग की है। उन्होंने बताया कि कोरोना संक्रमण के खतरे को ध्यान में रखते हुए आयोग उत्तर प्रदेश में स्वतंत्र, निष्पक्ष, प्रलोभन मुक्त और कोरोना सुरक्षित चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

52 करोड़ टैक्स देकर नहीं बच पाएगा पीयूष जैन

कानपुर (एजेंसी)।

कानपुर में 197 करोड़ रुपए की कैश बरामदगी के बाद गिरफ्तार किए गए पीयूष जैन सिर्फ टैक्स चुकाकर नहीं बच पाएगा। टैक्स देकर बाकी रकम वापस मांगने के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटाने वाले इत्र कारोबारी पीयूष जैन की दलीलों को डीजीजीआई ने खारिज किया है। पीयूष जैन के ठिकानों पर छापामारी का नेतृत्व करने वाले डीजीजीआई अहमदाबाद विंग के एडिशनल कमिश्नर विवेक प्रसाद ने कहा की जैन की 52 करोड़ टैक्स जमा कराने की बात गलत है। टैक्स नहीं लिया जाएगा न ही उसके पास से बरामद 197 करोड़ों रुपए को उसका बिजनेस टर्नओवर माना गया है। विवेक प्रसाद ने यह भी कहा कि पीयूष जैन के पास बरामद रुपया डिपार्टमेंट की केस प्रॉपर्टी है, जिसे स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की कस्टडी में सुरक्षित रखा गया है। पीयूष जैन को केवल टैक्स लेकर छोड़ने का सवाल ही नहीं उठता। अभी जांच प्रक्रिया चल रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस बीच पीयूष जैन ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। पीयूष ने गुहार लगाई है कि डायरेक्टरेट जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलिजेंस (डीजीजीआई) 52 करोड़ रुपए काटकर बाकी धन उसे वापस कर दे। बताया जा रहा है कि कानपुर जेल में 14 दिन की न्यायिक हिरासत काट रहे पीयूष जैन ने इस आशय की अर्जी लगाई है। पीयूष के वकील उसकी जमानत याचिका दाखिल करने की भी तैयारी कर रहे हैं। उधर, डीजीजीआई के अधिवक्ता अंबरीश टंडन ने बुधवार को मीडिया को बताया कि पीयूष के घर से बरामद धनराशि टैक्स चोरी की है। मिली जानकारी के अनुसार पीयूष जैन ने अपने बयान में कबूल किया है उसने तीन कंपनियां बनाई थीं। उन कंपनियों के जरिए चार साल में गुप्त रूप से पान मसाला कम्पाउंड बेचा था। टैक्स चोरी के मकसद से उनसे रकम जमा की। इस पर कुल 32 करोड़ रुपए का टैक्स बनता है। पैनल्टी मिलाकर 52 करोड़ रुपए की देनदारी बनती है। बताया गया कि कन्नौज में पीयूष के ठिकाने से मिले सोने और रुपयों की डिटेल अभी तक नहीं मिल पाई है। पीयूष के सात ठिकानों पर छापेमारी की गई थी।

ओमिक्रॉन का एक भी मरीज ऑक्सीजन सपोर्ट पर नहीं

नई दिल्ली। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने गुरुवार को बताया है कि राजधानी में ओमिक्रॉन वैरिएंट के एक भी संक्रमित को ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखने की जरूरत नहीं पड़ी है क्योंकि सभी मरीज एसिम्पटोमैटिक हैं। नई जीनोम सिक्वेंसिंग रिपोर्ट के मुताबिक, राजधानी में कुल संक्रमितों में से 46 फीसदी मामले ओमिक्रॉन वैरिएंट के हैं और इनमें विदेशों से आने वालों के साथ बिना ट्रैवल हिस्ट्री वाले लोग भी शामिल हैं। स्वास्थ्य मंत्री जैन ने कहा, करीब 200 मरीजों का अस्पताल में इलाज चल रहा है जिनमें से 115 सीधे एयरपोर्ट पर संक्रमित पाए गए और ये सभी एसिम्पटोमैटिक हैं। इन 200 में से 102 मरीज दिल्ली के हैं तो वहीं 98 बाहर के हैं। इनमें से किसी में भी लक्षण नहीं है लेकिन एहतियातन इन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया। दिल्ली में बुधवार को कोरोना के 923 नए मामले दर्ज किए गए थे और संक्रमण दर भी बढ़कर 1.29 फीसदी हो गया है। हालांकि, इस दौरान कोरोना से कोई मौत दर्ज नहीं की गई है। सत्येंद्र जैन ने कहा कि दुनियाभर में संक्रमण के नए केस बढ़ रहे हैं लेकिन यह पहले की तुलना में कम घातक है और कम से कम मरीजों को अस्पताल में भर्ती करना पड़ रहा है। दिल्ली में ओमिक्रॉन के एक भी मरीज को ऑक्सीजन सपोर्ट पर नहीं रखना पड़ा है। जैन ने यह भी कहा कि लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। सत्येंद्र जैन ने यह भी माना कि ओमिक्रॉन मौजूदा समय में जिस तरह से फैल रहा है उससे संकेत मिलते हैं कि इसका कम्युनिटी स्प्रेड हो रहा है।

बंगाल में बढ़े कोरोना के मामले हर जगह प्रतिबंध नहीं लगा सकते यह इकोनॉमी पर असर डालेगा: ममता बनर्जी

कोलकाता (एजेंसी) ।

देश के विभिन्न राज्यों में कोरोना वायरस के केस अचानक बढ़ने लगे हैं। इस बीच पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि हर जगह कोविड प्रतिबंध नहीं लगाया जा सकता है क्योंकि यह अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकता है। ममता बनर्जी साउथ 24 परगना के गंगा सागर में मौजूद थीं। बता दें कि गंगा सागर में अगले महीने मेला लगने वाला है। ममता बनर्जी ने साफ किया है कि गंगा सागर मेले के दौरान प्रतिबंध नहीं लगाए जाएंगे। उन्होंने पूछा कि कुंभ मेले के दौरान प्रतिबंध लगाए गए थे क्या? उन्होंने कहा कि गंगा सागर मेले में आने वाले लोगों को हम कैसे रोक सकते हैं? राज्य की सीएम ने कहा, 'ओमिक्रॉन के ज्यादातर केस उन लोगों में सामने आ रहे हैं जो यूके से फ्लाइट के जरिए यहां पहुंच रहे हैं। यह सच है कि अंतरराष्ट्रीय विमानों से आने वाले ही ओमिक्रॉन ला रहे हैं। सरकार को उन देशों से आने वाली विमानों पर प्रतिबंध लगाना चाहिए जहां इस वेरिएंट के केस काफी ज्यादा हैं।' ममता बनर्जी ने कहा कि कोलकाता में कोविड-19 के केस इसलिए बढ़े क्योंकि ट्रेन और विमान से आने वाले यात्रियों के लिए यह एक ट्रांजिट प्वाइंट है। ममता बनर्जी ने कहा कि उनकी सरकार बढ़ते संक्रमण पर लगातार गंभीरता से नजर रख रही थी। उन्होंने इस बात की ओर भी इशारा किया कि हालात को देखते हुए प्रतिबंध लगाए जाएंगे और अर्थव्यवस्था को भी नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। सीएम ने कहा, 'हमें लोगों की सुरक्षा को देखना है। हम जल्द ही एक फैसला लेंगे। हम उन जगहों को टारगेट करेंगे जहां केस बढ़े हैं। हम सभी जगहों पर प्रतिबंध नहीं लगा सकते क्योंकि यह इकोनॉमी पर असर डाल सकता है। बता दें कि बुधवार को पश्चिम बंगाल में कोविड-19 के केसों में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई है। यहां 1,089 संक्रमण के केस सामने आएं। सिर्फ कोलकाता में 540 नए केस सामने आए हैं। कोरोना के बढ़ते केसों को देखते हुए सीएम ने लोगों से कहा है कि वो मास्क लगाएं और इस महामारी से जुड़े सभी प्रोटोकॉल्स का कड़ाई से पालन करें।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा

मोबाईल:-9879141180

या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार

भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com